Dainik DEVVRAT

दैनिक देवव्रत

www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 255
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
13 जून 2026, शनिवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकसभा की 170 सीटों के टारगेटेड परिसीमन से किसका होगा भला

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। देश में आगामी महीनों में होने वाले परिसीमन (कमसपउपजंजपवद) को लेकर एक बड़ा और महत्वपूर्ण सुझाव सामने आया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) के एक वर्किंग पेपर में सुझाव दिया गया है कि भारत को देश की सभी लोकसभा सीटों पर एक समान नियम लागू करने के बजाय एक लक्षित मानदंड (targeted criterion) अपनाना चाहिए। इसके तहत देश के 170 बड़े लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों को विभाजित करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे निचले सदन (लोकसभा) की कुल सदस्य संख्या 543 से बढ़कर 824 हो जाएगी। लेकिन लोकसभा की 824 सीटों से किसका भला होने जा रहा है। यह विश्लेषण इस रिपोर्ट के अंत में पढ़ने को मिलेगा। पहले जानिए कि सरकार को सुझाव क्या दिया गया है। आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य शमिका रवि और भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI) के मुदित कपूर ने इस पेपर को तैयार किया है। इस वर्किंग पेपर में सीटों को बांटने का एक स्पष्ट फॉर्मूला सुझाया गया है।

59 निर्वाचन क्षेत्रों को दो भागों (Two-way split) में विभाजित किया जाए। 111 निर्वाचन क्षेत्रों को तीन भागों (Three-way split) में विभाजित किया जाए। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस टारगेटेड परिसीमन के कारण अगले आम चुनाव में मतदाताओं के मतदान (voter turnout) में 0.3 से 2.3 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में लगभग 90 लाख से लेकर 2.3 करोड़ तक अतिरिक्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। इस मॉडल के अनुसार, सीटों के विभाजन का असर देश के विभिन्न राज्यों पर इस प्रकार पड़ेगा। दो–तरफा विभाजन (Two-way split)– प्रस्तावित 59 सीटों में से 22 सीटें अकेले केरल और तमिलनाडु राज्यों से होंगी। तीन–तरफा विभाजन (Three&way split)– इसमें सबसे बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश (17 सीटें) का होगा। इसके बाद महाराष्ट्र (12 सीटें), बिहार (10 सीटें) और पश्चिम बंगाल (10 सीटें) का नंबर आता है।

संशोधन के बाद राज्यों में सीटों की नई स्थिति। दक्षिण भारत–तेलंगाना में सीटें 17 से बढ़कर 26, आंध्र प्रदेश में 25 से 38, कर्नाटक में 28 से 42, तमिलनाडु में 39 से 59 और केरल में 20 से बढ़कर 30 हो जाएंगी। उत्तर और पश्चिम भारत–महाराष्ट्र में सीटें 48 से बढ़कर 72, राजस्थान में 25 से 38, उत्तर प्रदेश में 80 से 120, मध्य प्रदेश में 29 से 44, गुजरात में 26 से 39 और बिहार में 40 से बढ़कर 60 हो जाएंगी।

पीएम कमेटी रिपोर्ट की सबसे खास बात यह है कि इस नए फॉर्मूले को लागू करने के बाद भी संसद में दक्षिणी राज्यों और अधिक आबादी वाले उत्तरी व पश्चिमी राज्यों की कुल सीटों की हिस्सेदारी में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। दक्षिण भारत की हिस्सेदारी वर्तमान के 23.6% के मुकाबले 23.7% रहेगी, जबकि उत्तर और पश्चिमी राज्यों की हिस्सेदारी 45.2% से मामूली बदलकर 45.6% होगी। इससे राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर उठने वाले विवादों को शांत करने में मदद मिलेगी। वर्किंग पेपर में इस बात पर चिंता जताई गई है कि देश में लोकसभा क्षेत्रों का आकार लगातार बढ़ रहा है, जो लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के लिए एक बड़ी चुनौती है।

साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार, एक औसत (उमकपंद) लोकसभा क्षेत्र में 18.2 लाख पंजीकृत मतदाता थे। देश के कुछ सबसे बड़े निर्वाचन क्षेत्रों में तो मतदाताओं की संख्या 32 लाख से भी अधिक हो चुकी है। इतने बड़े निर्वाचन क्षेत्रों के कारण मतदाताओं का बोझ बहुत अधिक बढ़ जाता है, जिससे अलग–अलग समूहों की भागीदारी असमान हो जाती है और प्रतिनिधित्व का अंतर (representation gap) गहरा जाता है। दावा है कि इस फॉर्मूले को इसी विवाद को सुलझाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन इसके व्यावहारिक नतीजे उत्तर भारत के पक्ष में झुक सकते हैं।

कागज़ पर संतुलन–वर्किंग पेपर के अनुसार, यदि देश की 170 बड़ी सीटों को ही बांटा जाता है, तो दक्षिण भारत की लोकसभा में कुल हिस्सेदारी वर्तमान के 23.6% से मामूली बढ़कर 23.7% हो जाएगी। वहीं उत्तर और पश्चिमी राज्यों की हिस्सेदारी 45.2% से सिर्फ 45.6% होगी। यानी अनुपात में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखेगा। सीटों की संख्या का वास्तविक अंतर – भले ही प्रतिशत में अंतर न दिखे, लेकिन संसद के भीतर 'वोटों की शुद्ध संख्या' (Absolute Number) में उत्तर भारत का दबदबा बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उत्तर प्रदेश की मौजूदा 80 सीटें बढ़कर 120 हो जाएंगी। उसे 40 सीटों को फायदा होगा। बिहार की मौजूदा 40 सीटें बढ़कर 60 हो जाएंगी। उसे 20 सीटों का फायदा होगा। तमिलनाडु की मौजूदा 39 सीटें बढ़कर 59 हो जाएंगी। उसे 20 सीटों का फायदा है। केरल की मौजूदा 20 सीटें बढ़कर 30 हो जाएंगी। उसे 10 सीटों का फायदा होगा। इसका प्रभाव क्या पड़ेगा: नकारात्मक प्रभाव–अकेले उत्तर प्रदेश और बिहार को मिलाकर 60 नई सीटें मिल रही हैं, जबकि पूरे तमिलनाडु और केरल को मिलाकर सिर्फ 30 नई सीटें मिलेंगी। संसद में कोई भी बिल पास कराने या सरकार बनाने के लिए सीटों की 'संख्या' मायने रखती है, प्रतिशत नहीं। ऐसे में उत्तर भारत के राज्यों का राजनीतिक वजन स्वाभाविक रूप से काफी बढ़ जाएगा। इससे देश के खजाने पर भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा। लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 824 करने का मतलब है 281 नए सांसदों का जुड़ना। इसके कारण होने वाले खर्चों को दो हिस्सों में देखा जा सकता है। सांसदों का प्रत्यक्ष खर्च–प्रत्येक नए सांसद को वेतन, भत्ते, मुफ्त यात्रा, चिकित्सा सुविधाएं, दिल्ली में सरकारी आवास और पेंशन देनी होगी। MPLAD फंड का बोझ–वर्तमान में हर सांसद को अपने क्षेत्र के विकास के लिए हर साल '5 करोड़ का सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLAD) फंड मिलता है। 281 नए सांसदों का मतलब है कि सरकार को केवल इस फंड के लिए हर साल 1,405 करोड़ अतिरिक्त खर्च करने होंगे। प्रशासनिक खर्च– नई सीटों के लिए नए चुनाव कार्यालय, अतिरिक्त सुरक्षा बल, चुनाव कराने का खर्च और परिसीमन आयोग का अपना प्रशासनिक खर्च भी अरबों रुपये में होगा।

बंगाल में 4000 EVM के साथ सबूत भी आग में जलकर स्वाहा

राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा साजिश की आ रही बू

कोलकता, 12 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। पश्चिम बंगाल की जिस चुनाव प्रक्रिया पर ममता बनर्जी और तमाम विपक्षी पार्टियाँ सवाल उठाती रही हैं उसमें इस्तेमाल की गई क़रीब 4000 ईवीएम जल कर नष्ट हो गईं। कोलकाता की एक सरकारी इमारत में आग लगी जिसमें ये ईवीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें रखी हुई थीं। ये EVM इस साल हुए विधानसभा चुनावों में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। राज्य के अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के राज्य मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा है कि यह आग सामान्य नहीं लग रही है। उन्होंने साज़िश की आशंका जताई है। मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग तीसरी मंजिल पर शुरू हुई, लेकिन चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को छोड़कर सीधे सातवीं और आठवीं मंजिल तक पहुंच गई। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि आग बीच की मंजिलों को छोड़कर ऊपर कैसे पहुँची? रिपोर्ट के अनुसार कौशिक चौधरी ने कहा, यह सामान्य आग नहीं दिख रही है। हम साज़िश की आशंका की जाँच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के बाद एफ़आईआर दर्ज कर ली गई है और जाँच शुरू हो गई है। फॉरेंसिक टीम ने सैंपल लेने के लिए मौक़े पर पहुँची। रिपोर्ट है कि पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञ पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। आग से कितना नुकसान हुआ है, इसकी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। EVM जलने से चुनावी दस्तावेजों और अन्य सरकारी सामान को भी नुकसान पहुंचा है।

आग दक्षिण कोलकाता के अलीपुर इलाके में एक नौ मंजिला सरकारी भवन में बुधवार को लगी। इस इमारत में साउथ 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी है। यह क्षेत्र तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता रहा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का मज़बूत क्षेत्र रहा था। आग लगने की यह घटना चुनाव के बाद म्टड की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही है। विपक्षी पार्टियाँ पहले से ही म्टड पर सवाल उठाती रही हैं, ऐसे में इस आग की घटना राजनीतिक रूप से संवेदनशील बन गई है। अभी तक किसी भी संगठन या व्यक्ति ने इस आग की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस की जाँच से आगे की सच्चाई सामने आने की संभावना है। राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं।

हाल में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बड़ी जीत मिली है जबकि टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी चुनाव होने से पहले से ही चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाती रही थीं। ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया और नतीजों को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या और साजिश बताया था। बीजेपी को भारी बहुमत मिलने के बावजूद ममता ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया और दावा किया कि श्हम हारे नहीं हैं, 100+ सीटें लूटी गई हैंश। एसआईआर के दौरान क़रीब 90 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए। ममता ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया मनमानी, असंवैधानिक, जल्दबाजी में और पक्षपातपूर्ण थी। अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग नियम लागू किए गए। कई सही वोटरों के नाम काटे गये। अदालत के हस्तक्षेप के बाद कुछ नाम जोड़े गए, लेकिन अभी भी बहुत से नाम बाहर रहे। टीएमसी ने मतगणना के दौरान भी धांधली के आरोप लगाए थे। ममता का आरोप था कि गिनती केंद्रों पर टीएमसी के काउंटिंग एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया। सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए। ईवीएम में हेराफेरी का आरोप भी लगाया गया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, 4 की मौत

उन्नांव, 12 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। उन्नाव से दर्दनाक हादसा सामने आया है। गंगा एक्सप्रेस–वे पर प्रयागराज से आ रही टाटा पंच कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से लड़ गई। हादसे में कार सवार 2 की मौके पर मौत हो गई, वहीं 2 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को सड़क से किनारे हटवाया। जानकारी के मुताबिक, घटना आसीवन थाना क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है हादसे के समय कार की स्पीड करीब 100 किमी प्रति घंटे की रही होगी। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार पर कंट्रोल खो बैठा और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया।

खुदरा महंगाई के बोझ से दबा आम आदमी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि से देश में खुदरा महंगाई दर बढ़कर मई महीने में 3.93% पर पहुंच गई है। महंगाई में तेजी के बावजूद यह लगातार 16वें महीने में आरबीआई की सीमा 4: से नीचे बनी रही। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश में महंगाई ने एक बार फिर आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ाया है। मई महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 फीसदी हो गई है। यह पिछले महीने अप्रैल की 3.48 फीसदी से अधिक है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि इसका कारण बनी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खाद्य महंगाई मई में 4.78 फीसदी रही। अप्रैल में यह 4.2 फीसदी थी। यह वृद्धि सीधे तौर पर रसोई के बजट को प्रभावित कर रही है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को अधिक खर्च करना पड़ रहा है। खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर इसका अधिक असर दिख रहा है। महंगाई का यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है। सरकार ने रिजर्व बैंक को महंगाई को चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है। इसमें दो फीसदी ऊपर या नीचे का मार्जिन भी शामिल है। यह लक्ष्य अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ती महंगाई से आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कीमती धातु के आभूषण, टमाटर और अदरक उन पांच वस्तुओं में शामिल हैं। किशमिश और मुनक्का भी अधिक महंगाई वाली वस्तुओं की सूची में हैं। इन वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। यह सीधे तौर पर उपभोक्ताओं के खर्च को बढ़ा रहा है। विशेष रूप से टमाटर और अदरक जैसी रोजमर्रा की सब्जियों की कीमतों में वृद्धि चिंताजनक है। इससे दैनिक जीवन की लागत बढ़ गई है। दूसरी ओर, कुछ वस्तुओं की कीमतों में कम वृद्धि देखी गई। आलू, मटर, मोटर कार और जीप की महंगाई कम रही। जीरा और मोटरसाइकिल तथा स्कूटर भी कम महंगाई वाली शीर्ष पांच वस्तुओं में शामिल थे। यह आंकड़ा अखिल भारतीय स्तर पर संयुक्त रूप से दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि कुछ क्षेत्रों में कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई हैं।

एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क अब सिर्फ एक अरबपति नहीं रहे, बल्कि उन्होंने संपत्ति के मामले में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है जो अब तक किसी भी व्यक्ति ने नहीं किया था। रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के रिकॉर्ड 75 अरब डॉलर के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के बाद मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। मस्क की दौलत का एक बड़ा हिस्सा अब उनकी स्पेस कंपनी स्पेसएक्स से आ रहा है। गुरुवार को आए स्पेसएक्स के ऐतिहासिक आईपीओ ने शेयर बाजार से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं, जिसने उनके बिजनेस पर निवेशकों के उत्साह को साबित किया है। रॉयटर्स की गणना के अनुसार, शुक्रवार को जब शेयरों की ट्रेडिंग शुरू हुई, तो टेस्ला और उनकी अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी को मिलाकर मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ डॉलर) को पार कर गई। इसमें केवल स्पेसएक्स की ही लगभग 866 अरब डॉलर की हिस्सेदारी शामिल है। इस आईपीओ से पहले फोर्ब्स ने मस्क की संपत्ति करीब 780 अरब डॉलर आंकी थी, जो अल्फाबेट के सह–संस्थापक लैरी पेज जैसे अमीरों से बहुत आगे थी। फोर्ब्स वेल्थ के डिप्टी एडिटर मैट डुरोट के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति की संपत्ति लगभग 300 अरब डॉलर के आसपास झूल रही है, जो मस्क की संभावित दौलत के एक–तिहाई से भी कम है। अब तक केवल एक अन्य व्यक्ति, ओरेकल के संस्थापक लैरी एलिसन ही 400 अरब डॉलर की संपत्ति तक पहुंच पाए हैं। मस्क का प्रभाव बाजार में इतना गहरा हो चुका है कि विश्लेषक उनके इर्द–गिर्द के व्यवसायों के नेटवर्क को मस्कोनॉमी कहते हैं। निवेशकों का उनकी दूरदृष्टि पर इतना गहरा विश्वास है कि उनकी कंपनियों को पारंपरिक वित्तीय पैमानों से परे एक वैल्यूएशन मिलता है, जिसे श्एलन प्रीमियमश कहा जाता है। रेनेसां कैपिटल के वरिष्ठ रणनीतिकार मैट कैनेडी बताते हैं कि 1.5 से 2 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप किसी भी पारंपरिक वैल्यूएशन के तरीके को खारिज करता है और यह पूरी

तरह से मस्क के विजन पर एक दांव है। अपने बेबाक और अनफिल्टर्ड अंदाज के लिए मशहूर मस्क का राजनीतिक सफर काफी विवादों में रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) में उनकी भूमिका के कारण 2025 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेस्ला के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए और उपभोक्ता बॉयकॉट के कारण बिक्री में गिरावट भी देखी गई। बाद में नीतियों को लेकर उनका ट्रंप प्रशासन से विवाद भी हुआ, जो सार्वजनिक हो गया, हालांकि बाद में उनके सुर नरम पड़ गए थे।विवादों के बावजूद वित्तीय और कॉरपोरेट दुनिया के कई दिग्गज मस्क की क्षमता का लोहा मानते हैं। जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ जेमी डिमन ने उन्हें 'हमारे समय का एडिसन' और 'हमारा आइंस्टीन' करार दिया है। वहीं, जनरल मोटर्स के पूर्व वाइस चेयरमैन बॉब लुट्ज का मानना है कि मस्क ने ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में अमेरिकी कौशल के प्रति दुनिया का सम्मान फिर से स्थापित किया है। इतिहास के इस सबसे बड़े आईपीओ में चीन और हांगकांग के निवेशकों को एक भी शेयर खरीदने की अनुमति नहीं दी गई है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं. **F1747796** में मेरे पत्नी का नाम विन्द चाना तीर्थराज दर्ज हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरे पत्नी का सही नाम **लीलावती देवी तीर्थराज विन्द** है। विन्द चाना तीर्थराज और लीलावती देवी तीर्थराज विन्द दोनों ही नाम एक ही महिला यानि मेरी पत्नी का ही नाम है। इसे सुधारा जाये। तीर्थराज रामकुमार विन्द पुत्र रामकुमार निवासी लहुसा मुबारकपुर थाना गम्भीरपुर पोस्ट छाऊ तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ
मु.नं. 1104/2025
अन्तर्गत धारा 144 बी.एन.एस.एस

सहनाज बानो उम्र करीब 27 वर्ष पत्नी फिरोज अहमद साकिन मु. जमालपुर थाना दक्षिण टोला तहसील सदर जनपद मऊ हाल मुकाम पुत्री अब्दुल अजीम साकिन मु. बलुआ कुर्थीजाफरपुर थाना कोपागंज जनपद मऊ 2. कु. जुनैरा एरम उम्र करीब 06 वर्ष 3. कु. ऐकरा एरम उम्र करीब 04 वर्ष पुत्रीगण फिरोज अहमद समस्त साकिनान मुहल्ला जमालपुर थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ बबलायत माता हकीकी सहनाज बानो। –सायलान

बनाम

फिरोज अहमद उम्र करीब 31 वर्ष पुत्र सुभान अहमद साकिन मुहल्ला जमालपुर थाना दक्षिण टोला तहसील सदर जनपद मऊ। –विपक्षी

उपरोक्त वाद में सायला ने आप विपक्षी के विरूद्ध अ0 धारा–144 बी.एन.एस.एस के प्राविधानों के तहत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि वो आपकी विधि सम्यक पत्नी है और वह अपना स्वयं भरण–पोषण करने में असमर्थ है, जबकि आप समक्ष होते हुए भी उसका भरण–पोषण नहीं कर रहे है।

अस्तु नोटिस हाजा द्वारा आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि इस प्रार्थना पत्र के विरूद्ध यदि कोई आपत्ति दाखिल करना चाहे तो दिनांक 08.07.2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तु करे, यदि ऐसा करने में चूक हुई तब दिनांक 08.07.2026 को इस प्रार्थना पत्र की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जायेगी जिसका पूर्ण दायित्व आप पर होगी।

बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ

अदालती नोटिस

बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ
मु.नं. 1058/2025
अन्तर्गत धारा 144 बी.एन.एस.एस

गुलनाज बानो उम्र करीब 24 वर्ष पत्नी मु. आरिफ पुत्री इम्तेयाज अहमद साकिन नयापुरा भदसा मानोपुर थाना कोपागंज जनपद मऊ हाल मुकाम साकिन काझा रामबन थाना रानीपुर जनपद मऊ। –सायला

बनाम

मु. आरिफ उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र मो. इस्लाम साकिन नयापुरा भदसा मानोपुर थाना कोपागंज जनपद मऊ। –विपक्षी

उपरोक्त वाद में सायला ने आप विपक्षी के विरूद्ध अ0 धारा–144 बी.एन.एस.एस के प्राविधानों के तहत प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि वो आपकी विधि सम्यक पत्नी है और वह अपना स्वयं भरण–पोषण करने में असमर्थ है, जबकि आप समक्ष होते हुए भी उसका भरण–पोषण नहीं कर रहे है।

अस्तु नोटिस हाजा द्वारा आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि इस प्रार्थना पत्र के विरूद्ध यदि कोई आपत्ति दाखिल करना चाहे तो दिनांक 30.06.2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तु करे, यदि ऐसा करने में चूक हुई तब दिनांक 30.06.2026 को इस प्रार्थना पत्र की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जायेगी जिसका पूर्ण दायित्व आप पर होगी।

बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ
वाद सं. 432/2025

अरूण कुमार उम्र करीब 29 साल पुत्र बालचन्द साकिन भवनाथपुर उमापुर पोस्ट उमापुर तहसील सदर जनपद मऊ। –याचिकाकर्ता

बनाम

पूनम उम्र करीब 28 साल पुत्री रामवृक्ष पत्नी अरूण कुमार साकिन भवनाथपुर उमापुर पोस्ट उमापुर तहसील सदर जनपद मऊ। –प्रतिवादिनी

हरगाह ने **अरूण** आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 16–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 16 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

–आज्ञा से
प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ, जनपद मऊ

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट षष्टम जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 275/2022

मो. जावेद बनाम मो. शकील

बनाम–2. मो. शाहिद 3. मो. साजिद वयस्क पुत्रगण स्व. अब्दुल हक निवासी मोहल्ला कोतवाली वार्ड नं. 9 परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 06 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 06–08–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

–आज्ञा से
अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट षष्टम जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट षष्टम जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 275/2022

मो. जावेद बनाम मो. शकील

बनाम–2. मो. शाहिद 3. मो. साजिद वयस्क पुत्रगण स्व. अब्दुल हक निवासी मोहल्ला कोतवाली वार्ड नं. 9 परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। –प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने
इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 08 के 06 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

06.08.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट षष्टम जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 544/2019

पंकज बनाम सरिता

बनाम–सरिता उम्र करीब 38 साल पत्नी विनोद साकिन खानजहापुर परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़ 2. पंकज उम्र करीब 30 साल पुत्र नागरमल साकिन भादी डिहवा परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर 3. लीलावती उम्र करीब 53 साल पत्नी घनश्याम साकिन सरावां परगना माहुल तहसील फूलपुर पोस्ट नौहरा जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 30–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

–आज्ञा से
अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 179/2022

राजेश कुमार बनाम सावित्री

बनाम– सावित्री उम्र करीब 50 साल पत्नी राधेश्याम 2. जैजैराम उम्र करीब 70 साल पुत्र मथुरा 3. सुरेश उम्र करीब 40 साल पुत्र जैजैराम 4. भानुमति उम्र करीब 65 साल पत्नी जैजेराम साकिनान बहुर परगना चांदा तहसील बदलापुर जौनपुर। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 20 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 20–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

–आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
शहर जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1743/2024

मेवालाल बनाम अशोक

बनाम–अशोक उम्र करीब 55 साल पुत्र गोरखनाथ 2. अमित उम्र करीब 35 साल पुत्र समरनाथ 3. प्रदीप उम्र करीब 35 साल पुत्र मुरारी 4. खुशी उम्र करीब 25 साल 5. ऋषि उम्र करीब 30 साल पुत्रगण अशोक साकिनान मिल्कोपुर परगना हवेली तहसील सदर जनपद जौनपुर। –प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने
इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 07 के 21 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

21.07.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
सिविल जज (जू.डि.)
शहर जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शहर जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1743/2024

मेवालाल बनाम अशोक

बनाम–अशोक उम्र करीब 55 साल पुत्र गोरखनाथ 2. अमित उम्र करीब 35 साल पुत्र समरनाथ 3. प्रदीप उम्र करीब 35 साल पुत्र मुरारी 4. खुशी उम्र करीब 25 साल 5. ऋषि उम्र करीब 30 साल पुत्रगण अशोक साकिनान मिल्कोपुर परगना हवेली तहसील सदर जनपद जौनपुर। –प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 21 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 21–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

–आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.)
शहर जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 574/2015

दशरथ बनाम बिन्दू

बनाम– 2/1. बबलू उम्र करीब 35 साल 2/2. जियालाल उम्र करीब 25 साल 2/3. सन्तोष उम्र करीब 18 साल पुत्रगण स्व. पन्ना साकिनान परमल पट्टी परगना गोपालापुर तहसील मड़ियाहू जनपद जौनपुर। –प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने
इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 07 के 24 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

24.07.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
अपर सिविल जज (जू.डि.)
न्यू कोर्ट तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 89
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा भवानी पट्टी

बुद्दू उर्फ बुधिराम बनाम महेन्द्र प्रसाद सिंह

बनाम– महेन्द्र प्रसाद 2. योगेन्द्र प्रसाद 3. राजेन्द्र प्रसाद पुत्रगण रामपूजन 4. लालजीत पुत्र पूजन साकिनान भवानी पट्टी परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मुखालिसपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 418
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा इटौरा

सोनेलाल बनाम राधेश्याम आदि

बनाम– राधेश्याम 2. सियाराम पुत्रगण हंसराज साकिन इटौरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 3. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत इटौरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. टी 202515060606002
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा कौड़िया

रामचरन बनाम गांवसभा

बनाम– गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत कौड़िया परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. दीपचन्द 3. यदुनाथ पुत्रगण रतन 4. हीरा पुत्र फेरई 5. इन्द्रदेव 6. चन्द्रदेव पुत्रगण बलजोर 7. कपिलदेव पुत्र हरदू 8. बलिकरन पुत्र रामबूझ 9. जयराम पुत्र फूलचन्द 10. कुटुरा देवी पत्नी फूलचन्द साकिनान कौड़िया परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपसंचालक चकबन्दी, आजमगढ़
निगरानी सं. 2024541560000325/2024
धारा 48 (1) जो.च. अधि. 1953 मौजा हरैया

केशव बनाम सुनीता आदि

बनाम– सुनीता 2. संगीता पुत्रीगण इन्द्रासन 3. चन्द्रभान पुत्र सत्यदेव 4. सत्यप्रकाश 5. विजय प्रताप पुत्रगण चन्द्रपत 6. कालिका पत्नी चन्द्रपत 7. रामजनम 8. राजेश 9. दुर्गेश पुत्रगण सूरजू 10. श्रीमती विराजी पत्नी सूरजू साकिनान हरैया परगना मुहम्मदाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 11. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत हरैया परगना मुहम्मदाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़ 12. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 06 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़
धारा 38 (2) उप्रारासं 2006 मौजा जगदीशपुर

ज्ञानचन्द्र बनाम ग्राम पंचायत

बनाम– हरिश्चन्द्र पुत्र रामजस साकिन जगदीशपुर तप्पा नन्दांव परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 2. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत जगदीशपुर तप्पा नन्दांव परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा लहरपार

भृगुनाथ बनाम ध्रुवनाथ आदि

बनाम– ध्रुवनाथ 2. रमेश 3. उमेश पुत्रगण रामनवल साकिनान लहरपार परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत लहरपार परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस बटवारा दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 12 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़
मु.नं. डी 202315060002826

जयप्रकाश बनाम ग्राम पंचायत आदि

बनाम– विनय कुमार उर्फ घुरहू पुत्र रामपाल 2. राधिका पत्नी रामपाल साकिन गम्भीरवन परगना निजामाबाद तहसील सदर जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 25 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा चांदपट्टी

भगवान सिंह बनाम अशोक आदि

बनाम– अशोक 2. केशव 3. तीर्थराज 4. विनोद 5. सन्जय पुत्रगण रामबली 6. इन्द्रासन 7. विन्ध्याचल पुत्रगण मुसाफिर 8. नागेन्द्र 9. योगेन्द्र पुत्रगण सुधाकर 10. राधिका पत्नी सुधाकर साकिनान चांदपट्टी परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 11. उदयभान 12. चन्द्रभान 13. नागेन्द्र पुत्रगण चन्द्रिका साकिनान सिहोंरा तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 14. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत चांदपट्टी परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 06 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रारासं. 2006 मौजा कंजरा दिलशादपुर

कालिका देवी बनाम गांवसभा

बनाम–कालिका देवी पत्नी शिवनाथ साकिन कंजरा दिलशादपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसदि्दरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए। आज बतारीख 02 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। –आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 116 उप्रारासं 2006 मौजा रघुनाथपुर

रामकेश बनाम बुद्धिराम

बनाम– बुद्धिराम पुत्र महादेव साकिन धनियाकुड़ी पोस्ट भूईधरपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। –प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। –आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वामिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

लखनऊ में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। अहमदाबाद से लखनऊ होते हुए दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की लखनऊ में शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान हवा में ही था, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलको सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। अळ्उ ने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6ए-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। फिर सभी 180 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 3 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने विमान की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी यात्रियों को विमान में बैठा दिया गया। विमान दिल्ली के लिए 2.40 बजे रवाना हो गया। इसी विमान से पूर्व आईपीएस बीपी अशोक समेत कई लोगों को दिल्ली जाना था।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा किया रद्द

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द कर दी। कोर्ट ने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि आरोपी और पीड़िता ने बाद में शादी कर ली और आरोपी ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया। कोर्ट का कहना है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी कर ली थी। पीड़िता ने ही उसकी सजा रद्द करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता अब समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। 2019 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी थी, लेकिन 2021 में केस खत्म करने की पीड़िता की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

ट्रम्प बोले- ईरान के साथ जंग खत्म हुई

वॉशिंगटन डीसी, 12 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

बिल्डिंग में आग से 3 मौतें, 6 झुलसे

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

भारतीय नौसेना ने जहाज से जिंदा मिसाइल निकाली

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। समुद्री इलाकों में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने एक ऐसे ऑपरेशन को अंजाम दिया है जिसने एक बड़े समुद्री हादसे को टाल दिया। ओमान के तट के पास संदिग्ध हमले का शिकार हुए एक विशाल क्रूड ऑयल टैंकर के भीतर फंसे जिंदा मिसाइल वॉरहेड को भारतीय नौसेना ने सुरक्षित तरीके से निकाल लिया है। अगर यह वॉरहेड फट जाता तो ना सिर्फ जहाज तबाह होता बल्कि सैकड़ों करोड़ रुपए का नुकसान और बड़े पैमाने पर संकट भी पैदा हो सकता था। दरअसल मामला मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाली क्रूड ऑयल टैंकर एम्प्टी ओलंपिक लाइफ का है। यह जहाज यूएई के पुजेरा से कोची की ओर जा रहा था। 26 मई को ओमान के तट के पास जहाज के ढांचे में धमाका हुआ। शुरूआती जांच में पता चला कि कोई प्रोजेक्टाइल या मिसाइल जहाज से टकराई थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मिसाइल का एक हिस्सा जहाज के अंदर घुसने के बाद फटा ही नहीं था और वह फ्यूल टैंक के भीतर फंस गया था।

अमेठी जिले की पंचायत वोटर लिस्ट से स्मृति ईरानी का नाम गायब, डीएम ने दिया जांच के आदेश

अमेठी, 12 जून (देवव्रत संवाद)। ज़िले के मेदान मवाई गाँव की पंचायत वोटर लिस्ट से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम हट गया है, जबकि उस इलाके की लोकसभा और विधानसभा वोटर लिस्ट में उनका नाम मौजूद है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। अमेठी के ज़िला मजिस्ट्रेट संजय चौहान ने कहा कि इस मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वर्ष 2019 से 2024 तक लोकसभा में अमेठी का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी ने 2019 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेदान मवई गांव में अपना आवास बनाया।

ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता में मुकदमा दर्ज

आसनसोल, 12 जून (देवव्रत संवाद)। मार्च 2026 में दिए गए एक राजनीतिक भाषण के बाद, शुक्रवार को ळटउ प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ एक नई मुकदमा दर्ज की गई। ममता ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई खास समुदाय एकजुट हो जाए, तो इसके दूसरों के लिए गंभीर नतीजे हो सकते हैं। उनके सार्वजनिक भाषणों का हवाला देते हुए, कोलकाता के एक निवासी ने हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे अब कोलकाता पुलिस ने मुकदमा के तौर पर दर्ज कर लिया है। कोलकाता के एक निवासी ने त्रक्रक्रमें आरोप लगाया कि रैली में दिए गए उनके भाषण से सांप्रदायिक अशांति और सार्वजनिक अशांति फैल सकती है। शिकायत में ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला कोलकाता में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान से ठीक पहले एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए कथित भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों से जुड़ा है।

भाजपा हर जगह कर रही डकैती-संजय राउत

अयोध्या के राममंदिर में 7 करोड़ चढ़ावा चोरी का मामला पीएमओ तक पहुंचा

मुंबई, 12 जून (देवव्रत संवाद)। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के 7 करोड़ रुपये के कथित गबन को लेकर इखढ के नेतृत्व वाली केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकारों की आलोचना की और दावा किया कि इखढ में चोरी बड़े पैमाने पर होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का सब कुछ चुराने का इतिहास रहा है, जिसमें एश्ट और भगवान राम के लिए भक्तों का चढ़ावा भी शामिल है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने घोषणा की कि शिवसेना अयोध्या जाकर भगवान राम के सामने सिर झुकाएगी और उनसे माफी मांगेगी।

राउत ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे के तौर पर आए 5 करोड़ रुपये से ज्यादा की जो डकैती हुई, वह उउळश फुटेज में साफ दिख रही है... अगर राम को चढ़ाए गए 5 करोड़ रुपये चोरी हो जाते हैं, तो इसके लिए वढ और केंद्र, दोनों जगह आपकी सरकार ज़िम्मेदार है। आप एश्ट, वोट और सीटें तो चुराते ही हैं, अब राम के चढ़ावे से भी चोरी कर रहे हैं; आपके साथ हर जगह चोरी ही चोरी है... हमें लगता है कि भगवान राम हमें वापस बुला रहे हैं। कल मैंने उद्धव ठाकरे जी से बात की और कहा कि हमें अयोध्या जाना चाहिए। इसलिए, अयोध्या जाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। हम सबसे पहले अयोध्या जाएँगे। हम सबसे पहले भगवान राम से मिलेंगे। हम सिर झुकाकर भगवान श्री राम से माफी माँगेंगे।

समाजवादी पार्टी (रढ) के प्रमुख अखिलेश यादव के इन आरोपों के बाद राउत की टिप्पणी आई है कि दान में मिली बड़ी रकम गायब हो गई है और

उन्होंने इसकी न्यायिक जांच की मांग की है। यह विवाद अयोध्या से रढ के पूर्व विधायक पवन पांडे के दावों से शुरू हुआ, जिन्होंने कहा था कि 7 करोड़ रुपये से 7.5 करोड़ रुपये के दान में हेराफेरी की गई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

अखिलेश यादव ने निष्पक्ष जांच की मांग की और इस मामले पर उत्तर प्रदेश सरकार की चुप्पी को संदिग्ध बताया। उन्होंने न्यायपालिका से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की और मंदिर प्रशासन से संबंधित उउळश फुटेज जारी करने को कहा।

राम मंदिर के चंदे में घपले की कहानी, क्या सच में चढ़ावे से 'चंपत' हो गए 7 करोड़ रुपए?

अयोध्या, 12 जून (देवव्रत संवाद)। राम जन्मभूमि भारतीय इतिहास का सबसे पुराना और जटिल मुद्दा है, जिसको लेकर आज भी लोग बात करते हैं तो सेंसेटिव हो जाते हैं। इस एक विवाद की वजह से सिर्फ अयोध्या में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में दंगे हुए और इसमें हजारों लोगों की जान गई। ये एक ऐसा केस था, जहां पर भगवान राम खुद अपना केस लड़ते हैं। सुप्रीम कोर्ट के अंदर बकायदा उनकी फाइल बनती है। करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र अयोध्या का राम मंदिर जिसके निर्माण के लिए कई सालों तक कानूनी लड़ाई लड़ी गई। भक्तों की आस, कार्तिक के मास में रामलला का वनवास खत्म हो जाता है। रामलला के नाम जमीन के हक पर सुप्रीम हस्ताक्षर के साथ ही बड़े धूम धाम के साथ इसकी आधारशीला रखी गई और फिर मंदिर बनकर तैयार हो गया। जिसके उद्घाटन को पूरे देश ने एक ऐतिहासिक पल की तरह देखा। लेकिन अब इसी राम मंदिर को लेकर एक ऐसा विवाद सामने आया है जिसने राजनीति से लेकर आम श्रद्धालुओं तक हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। दावा किया जा रहा है कि मंदिर में आने वाले चढ़ाने और दान के हिसाब-किताब में घड़बड़ी हुई है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि राम मंदिर में आए चढ़ावे में पांच करोड़ से लेकर 7 करोड़ तक की कथित चोरी हुई है। भाजपा के ही नेता और पार्टी प्रवक्ता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

मनाली-लेह मार्ग में 3 टनल प्रोजेक्ट मंजूर, 15,550 करोड़ की लागत से बनेगी

मनाली/कुल्लू, 12 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार ने मनाली-लेह सामरिक मार्ग को पूरे साल बहाल रखने के लिए तीन टनल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इन तीन टनल का निर्माण 15 हजार 550 करोड़ रुपए की लागत से होगा। प्रस्तावित सुरंगें हिमाचल के बारालाचा, लाचुंगला और लद्दाख के तंगलंग ला दर्रों के नीचे निर्मित की जाएंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन सुरंगों के निर्माण से लद्दाख को पूरे वर्ष सड़क संपर्क उपलब्ध होगा, यात्रा समय में कमी आएगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना की आवाजाही तथा रसद आपूर्ति को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। सामरिक दृष्टि से तीनों प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चीन तथा पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर सामरिक तैयारियों को और मजबूत करना है। अटल टनल, जोजिला टनल और प्रस्तावित शिंकुला टनल के बाद यह परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नए आयाम देगी।

परियोजना के तहत बारालाचा दर्रे के नीचे लगभग 13 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 8 हजार 800 करोड़ रुपए है। परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) अक्टूबर 2026 तक तैयार होने की संभावना है। लाचुंगला दर्रे के नीचे लगभग 11 किलोमीटर लंबी सुरंग प्रस्तावित है, जिसकी अनुमानित लागत 4,500 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस परियोजना की डीपीआर दिसंबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है।

नीट-यूजी रीएग्जाम 3:15 घंटे का होगा, मिलेंगी 4 रफ वर्क शीट

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी ठळअ ने नीट-यूजी रीएग्जाम में कुछ बदलाव किए हैं। नए नोटिस के तहत, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है। इसके अलावा आंसर शीट में रफ वर्क के लिए भी जगह बढ़ाई गई है। नीट-यूजी 2026 इस साल पेपर लीक के चलते रद्द कर दिया गया था। रीएग्जाम अब 21 जून को आयोजित किया जाना है जिसे लेकर नए बदलाव किए गए हैं। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई 2026 को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को NTA ने इसे रद्द कर दिया। मामले की जांच उइककर रही है और अब 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा होगी।

एग्जाम होने तक पेपर सेटर्स को कड़े प्रतिबंध का पालन करना होगा। उन्हें 21 जून तक लॉकडाउन में रखा जाएगा ताकि पेपर लीक होने की आशंका न रहे। एग्जाम आयोजन के लिए देश भर के 551 शहर और विदेशों में 14 शहरों को चुना गया है।

अधिकारियों के अनुसार एग्जाम से

संबंधित सभी काम जैसे प्रश्नों की सेटिंग, ट्रांसलेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज से लेकर ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रिब्यूशन की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सरकार द्वारा क्वेश्चन पेपर से संबंधित सभी सामान ले जाने के लिए इंडियन एयरफोर्स एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा।

डिजिटल क्षेत्र में अधिकारी 24 घंटे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग पर नजर जमाए हुए हैं ताकि फेक क्वेश्चन पेपर, गलत सूचनाओं और संदिग्ध गतिविधियों को एग्जाम से दूर रखा जा सके। NTA ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्सपर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नई योजना के तहत अलग-अलग सब्जेक्ट के एक्सपर्ट्स सिर्फ प्रश्न तैयार करेंगे। इन प्रश्नों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इसमें करीब 10 हजार प्रश्न हो सकते हैं। बाद में टेक्निक की मदद से इन प्रश्नों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरूआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में MBBS, BDS, आयुष और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में एडमिशन मिलता है, जिसमें अक्क्टर और JIPMER जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं।

लखनऊ में कॉकरोच जनता पार्टी का शिक्षा मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। लखनऊ में छात्र और सरकारी नौकरी के उम्मीदवार परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के विरोध में जमा हुए। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (उखढ) के संस्थापक अभिजीत दिपके के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। शिक्षण, चिकित्सा, राजस्व, प्रशासनिक और अन्य सरकारी भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रहे उम्मीदवार प्रदर्शन के तहत सुबह से ही इको गार्डन में इकट्ठा हुए।

उप्र में आंधी-बारिश से सड़कें डूबीं, अस्पताल में भरा पानी

लखनऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। गुरुवार देर रात से आगरा, मथुरा, सहारनपुर, हापुड़, शामली और हाथरस में रुक-रुक कर जोरदार बारिश हुई। सहारनपुर में तूफान के साथ इतनी बारिश हुई कि सड़कें डूब गईं। लोगों के घुटनों तक पानी भर गया। बारिश का पानी घरों में घुस गया। शामली में नगर पालिका परिसर, अस्पतालों में कमर तक पानी भर गया। हापुड़ में भी आंधी चली। हाथरस में पेड़ और पोल उखड़ गए। घंटों बिजली गुल रही। शुक्रवार तड़के बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, फरुर्खाबाद, एटा, बिजनौर और बागपत में झमाझम बारिश हुई। लखनऊ में बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 16 जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया है। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ने लगा है। ऐसे में आंधी-बारिश का सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा। लोग खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। बीते 24 घंटे की बात करें तो गोरखपुर-मेरठ समेत 52 शहरों में आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। इस दौरान 4.9 मिमी बारिश हुई।

मेरी नेता सिर्फ ममता बनर्जी हैं, अभिषेक नहीं-शत्रुघ्न सिन्हा

आसनसोल, 12 जून (देवव्रत संवाद)। आसनसोल से टीएमसी के लोकसभा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने ममता बनर्जी और भाजपाका समर्थन को लेकर अपना रुख साफ कर दिया। उन्होंने ममता बनर्जी का पुरजोर समर्थन किया और पार्टी छोड़ने वालों की आलोचना भी की। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि मैं ममता दीदी के साथ था, ममता दीदी के साथ हूँ और हमेशा ममता दीदी के साथ ही रहूँगा। न तो अभिषेक बनर्जी और न ही कोई और मेरा नेता है। मेरी नेता सिर्फ. ममता बनर्जी हैं। यह एकता दिखाने और ममता बनर्जी के साथ खड़े होने का समय था, उन्हें छोड़ने का नहीं। ममता बनर्जी एक परिपक्व और अनुभवी नेता हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने घोषणा की कि ममता बनर्जी के प्रति उनका समर्थन अटूट है। उन्होंने कहा कि ममता जी के साथ था, मैं और आगे भी रहूंगा। ममता बनर्जी ने मेरे मुश्किल समय में मेरा साथ दिया था, तो अब मैं मुश्किल समय में उनका साथ कैसे छोड़ दूं। टीएमसी के भीतर विद्रोही गुटों के साथ किसी भी तरह के जुड़ाव को खारिज करते हुए, सिन्हा ने कहा कि मैं टीएमसी के बागी ग्रुप में नहीं हूं, न था और न ही जाऊंगा। फिल्हाल मैं कहीं किसी पार्टी में नहीं जा रहा हूं। मुझे अच्छा नहीं लगा कि ममता बनर्जी को इस तरह लोग छोड़ कर जा रहे हैं। तीन लाइन का व्हिप आमतौर पर राजनीतिक दलों द्वारा संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतदान से पहले जारी किया जाता है। सिन्हा का यह बयान ऑनलाइन प्रसारित हो रही तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों की कथित सूची में उनका नाम आने के बाद आया है। केंद्रीय मंत्री रह चुके सिन्हा पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ थे और वह अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने से पहले सिन्हा कांग्रेस में भी थे।

भुगतान को लेकर कोटेदारों ने उठाई अपनी आवाज

जौनपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। गेहूं खरीद के लिए इस्तेमाल किए गए बोरों के भुगतान में देरी को लेकर कोटेदारों ने जिलाधिकारी से शिकायत की गयी है। यह शिकायत इण्डिया फेयर प्राइज शॉप डीलर फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी के नेतृत्व में की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में लिए गए बोरों का केवल आधा भुगतान ही कोटेदारों को मिला है। शेष आधी राशि अभी तक लंबित है, जिससे कई कोटेदार आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। इस वर्ष के गेहूं खरीद अभियान के तहत भी जनपद में कोटेदारों से बोरे लिए गए हैं। हालांकि, इन नए बोरों का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है, जिससे कोटेदारों की समस्या और बढ़ गई है।

धूमधाम से मनाया शहंशाह बाबा का उर्स

जौनपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। नगर के चितरसारी के खास हौज पर स्थित टापू पर शहंशाह बाबा का सालाना उर्स पूरी अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं का एक बड़ा समूह गाजे-बाजे और कव्वाली की धुनों के साथ बाबा के मजार पर पहुँचा। यहाँ अकीदतमंदों ने पूरी आस्था के साथ मजार शरीफ पर चादरपोशी की और मन्नतें मांगी।

मोदी नहीं कर सकते भारत माता के बेटों की रक्षा-राहुल गांधी

भारतीय जहाज पर अमेरिकी हमले जारी रहने से विपक्ष भड़का

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर तीन भारतीय नाविकों की मौत पर मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। गांधी ने कहा कि कमजोर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया कि उनमें भारतीय नागरिकों की जान जाने के लिए ज़िम्मेदार लोगों का सामना करने की हिम्मत और ताकत नहीं है। पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि तीन दिनों के अंदर इंटरनेशनल पानी में तीन जहाजों पर हुए अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय मारे गए हैं। और हमारे मजबूर प्रधानमंत्री? एक शब्द भी नहीं। जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करती है, तो प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। लेकिन भगवान न करे कि वह एक शब्द भी बोलें। अगले हफ्ते ऋ में, हमारे नाविकों की हत्या के कुछ ही दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौतों पर साइन करेंगे झ लेकिन उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास कहने को एक शब्द भी नहीं होगा। एक मजबूर प्रधानमंत्री भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकता, क्योंकि उनमें उन लोगों का सामना करने की हिम्मत या ताकत नहीं है जिन्होंने उन बेटों की जान ली। ओमान की खाड़ी में कमर्शियल टैंकर 'टळ सेटेबेलो' पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद ये टिप्पणियां आईं। अमेरिकी सेना ने आरोप लगाया था कि यह जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी का उल्लंघन कर रहा था।

सोनिया गांधी ने हर मौके पर मेरा साथ दिया-मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के लिए अपने चुनाव का श्रेय पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को दिया है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने उन्हें अपने पूरे राजनीतिक करियर में लोगों की सेवा करने के लगातार मौके दिए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि यह मेरा 13वां चुनाव है। मैं सोनिया गांधी का आभारी हूं। उन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने के मौके दिए हैं। खड़गे उन चार उम्मीदवारों में शामिल थे जिन्हें कल कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना गया। नाम वापस लेने की समय-सीमा खत्म होने के बाद नतीजे की पुष्टि हुई, क्योंकि चार खाली सीटों के लिए मुकाबले में केवल चार उम्मीदवार ही बचे थे, जिससे 18 जून को होने वाली वोटिंग की जरूरत नहीं रही। उच्च सदन में खड़गे के साथ शामिल होने वालों में शिक्षाविद मंसूर अली खान (पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान के बेटे), कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, और कर्नाटक लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य एम. नागराजा शामिल हैं।

उम्र रोकने की दवा का पहली बार इंसान पर परीक्षण

ग्लूकोमा से पीड़ित एक मरीज की आंख की पुतली में लगाया गया इंजेक्शन

बोस्टन, 12 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। मेडिकल साइंस के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक रिवर्स-एजिंग यानी बुढ़ापा रोकने की दवा का इंसानों पर पहला ट्रायल शुरू हो गया है। पहली बार उम्र के असर को उलटने वाला इंजेक्शन किसी इंसान को लगाया गया है। अमेरिका के बोस्टन स्थित बायोटेक स्टार्टअप लाइफ बायोसाइंसेज ने बताया कि उनके पहले मरीज को सेल्यूलर रीप्रोग्रामिंग का इंजेक्शन दे दिया गया है। परीक्षण के तहत यह इंजेक्शन ग्लूकोमा (काला मोतिया) से पीड़ित मरीज की एक आंख की पुतली में लगाया गया है। इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य उम्र बढ़ने के कारण कमजोर हो चुकी कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है। अगले 6 महीने तक वैज्ञानिक इसके असर और साइड इफेक्ट्स पर नजर रखेंगे।

अब डॉक्टर और वैज्ञानिक आने वाले कई महीनों तक मरीज की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक इंसानी शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। इस थेरेपी में सबसे पहले मरीज की आंख में एक सिंगल जीन थेरेपी इंजेक्शन दिया गया है। इसके बाद कुछ हफ्तों तक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विशेष कोर्स कराया जाएगा। यह एंटीबायोटिक दवा शरीर के भीतर जाकर उन तीन इलाज करने वाले जीनों के लिए 'ऑन स्विच' का काम करेगी, जो कोशिकाओं को रीप्रोग्राम (युवा) करना शुरू करते हैं। इससे पहले चूहों और बंदरों पर हुए टेस्ट में इसने उनकी रोशनी सफलतापूर्वक वापस लौटा दी थी।

इस थैरेपी के लिए इंसानों की आंख को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंख शरीर के बाकी हिस्सों से अलग और सुरक्षित होती है। इससे साइड इफेक्ट्स पर नजर रखना भी आसान होता है।

लाइफ बायोसाइंसेज के सीईओ जेरी मैकलॉघलिन ने कहा कि यह उनकी कंपनी या एजिंग बायोलॉजी ही नहीं, पूरे मेडिकल साइंस के लिए संभावित रूप से बड़ा और परिवर्तनकारी पल है। अगर यह क्लिनिकल ट्रायल सफल रहा, तो एजिंग थेरेपी में नया युग शुरू हो सकता है। लक्ष्य पूरे शरीर की कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है, ताकि उम्र बढ़ने के साथ डीएनए के काम करने और उसके एक्सप्रेशन के तरीके में सुधार हो सके।

अरबपतियों और फार्मा कंपनियों का निवेश इस तकनीक में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन समेत कई बड़े निवेशकों ने पैसा लगाया है। एली लिली और मर्क जैसी दवा कंपनियां भी इस आइडिया में निवेश बढ़ा रही हैं। इंसानों पर ट्रायल से पहले यह रिसर्च चूहों और बंदरों तक ही सीमित थी, जो अब इंसानों तक पहुंच गई है।

राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ मीनाक्षी की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 12 जून (देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की बेंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में अदालतों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले में रिट पिटीशन पर सुनवाई नहीं कर सकता। नामांकन रद्द करने का फैसला सही था या गलत, अदालत ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने कहा चुनाव से जुड़े ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए।

तमाम दावों के बावजूद हिंसा और यौन अपराधों का शिकार हो रही हैं महिलाएं

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है?

शी के उत्तर कोरिया दौरे से सतर्क अमेरिका

● पुष्परंजन

जिस परमाणु ताकत की आशंका को लेकर ट्रम्प ने ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ा, उत्तर कोरिया के मामले में चुप्पी है। ट्रम्प की हिम्मत नहीं, कि उत्तर कोरियाई लीडरशिप के विरुद्ध एक शब्द बोल दें। ट्रम्प उत्तर कोरिया के मुंहफट नेता से दूरी बनाये रखना चाहते हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने तेजी से अपना परमाणु शस्त्रागार बढ़ाया है।

उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने चीनी राष्ट्रपति के दौरे को काफी कवरेज दिया, लेकिन दोनों देशों के बीच मिलिट्री सहयोग आदान-प्रदान बढ़ाने पर शी की बातों को शामिल नहीं किया। सोल में हंकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर कांग जून-यंग ने कहा, कि शी की बातों से वाशिंगटन को यह संदेश मिला कि पेइचिंग ने मजबूती से एक मिलिट्री सहयोगी बना लिया है प्रोफेसर कांग जून-यंग ने फ्योंगयांग और मॉस्को के बीच ह्यबहुत ज्यादा मिलिट्री नजदीकी के प्रति सावधानीह्न का संकेत भी दिया। वाशिंगटन इस बार सतर्क है, मास्को की नजर भी शी के आगमन पर थी।

चीन और उत्तर कोरिया के बीच मिलिट्री सहयोग बढ़ने की संभावना ऐसे समय में बनी है, जब फ्योंगयांग अपने न्यूक्लियर और पारंपरिक हथियारों के प्रोग्राम को लगातार आगे बढ़ा रहा है। पिछले हफ्ते शी के दौरे की घोषणा से एक दिन पहले, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने हाल ही में न्यूक्लियर मटीरियल बनाने वाले एक नए प्लांट का दौरा किया, और न्यूक्लियर ताकत को तेजी से मजबूत करने का वादा देश से किया था।

जिस परमाणु ताकत की आशंका को लेकर ट्रम्प ने ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ा, उत्तर कोरिया के मामले में चुप्पी है। ट्रम्प की हिम्मत नहीं, कि उत्तर कोरियाई लीडरशिप के विरुद्ध एक शब्द बोल दें। ट्रम्प उत्तर कोरिया के मुंहफट नेता से दूरी बनाये रखना चाहते हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने तेजी से अपना परमाणु शस्त्रागार बढ़ाया है, और एक परमाणु-सम्पन्न राष्ट्र के रूप में खुद को स्थापित किया है। उत्तर कोरिया ने हमेशा चीन और रूस के बीच बराबर की दूरी बनाए रखने वाली कूटनीति अपनाई है, या दोनों के बीच संतुलन बनाकर चला है, इसलिए वह चीन के साथ ऐसे किसी भी मिलिट्री सहयोग को लेकर सतर्क है, जो ह्यरेड लाइनह्न को पार करता हो।

26 अप्रैल, 2026 को, उत्तर कोरिया ने विदेशी सैन्य अभियानों का स्मारक संग्रहालय खोला। यह संग्रहालय उन सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक ऐसी ह्यआत्मघाती सैन्य नीतिह्न की पुष्टि की है जिसके तहत रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल सैनिकों को पकड़े जाने से बचने के लिए युद्ध के मैदान में आत्महत्या करनी होगी। इसी साल फरवरी में, दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने खबर दी थी, कि रूस-यूक्रेन युद्ध में 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए, या घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बताया, कि फरवरी, 2026 तक, रूस के अग्रिम मोर्चे वाले कुर्स्क ओब्लास्ट में लगभग 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक तैनात थे। इनमें से 10,000 लड़ाकू सैनिक थे, और 1,000 इंजीनियरिंग सेवा के सैनिक थे।

उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की ताकत रूस और चीन की वजह से है। उसी बूते वो गाहे-बगाहे ट्रम्प को ललकारते हैं, चुनांचे किम जोंग उन, पुतिन और शी दोनों से समान संतुलन बनाये रखना चाहते हैं। दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसी ने कहा, रूस में 6,000 सैनिकों के हताहत होने के बावजूद, उत्तर कोरियाई सेना ने युद्ध के मैदान में आधुनिक युद्ध-कौशल और डेटा हासिल करने के साथ-साथ रूस की तकनीकी मदद से अपने हथियार प्रणालियों को अपग्रेड करने में सफलता पाई है। एजेंसी ने यह भी बताया, कि फ्योंगयांग ने एक नया यूएवी ड्रोन विभाग बनाया है, और वह ऐसे सिस्टम को स्थापित करने पर काम कर रहा है, जो ड्रोन विकसित करने और उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में सक्षम हो।

लेकिन, क्या उत्तर कोरिया यह सार्वजानिक रूप से स्वीकार करेगा, कि उसके ड्रोन का इस्तेमाल ईरान कर रहा है? फ्योंगयांग द्वारा अपने ड्रोन का ईरान द्वारा इस्तेमाल किए जाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने की संभावना बहुत कम है। उत्तर कोरिया की नीति हमेशा हथियारों के गुप्त व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने की रही है। इसके बजाय, वे इस तरह के मामलों में रणनीतिक अस्पष्टता बनाए रखना पसंद करते हैं। विशेषज्ञों का यह मानना है कि उत्तर कोरिया और ईरान के बीच ड्रोन और मिसाइल तकनीक का गहरा आदान-प्रदान रहा है। कई उत्तर कोरियाई ड्रोन, ईरान के शाहेद सीरीज के ड्रोन्स से काफी मिलते-जुलते हैं।सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दोनों पक्षों को कूटनीति, कानून प्रवर्तन और सैन्य मामलों में आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों द्वारा रणनीतिक बातचीत को मजबूत करने के वादों के बावजूद, बैठक के बाद जारी बयानों में कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु-निरस्त्रीकरण का कोई जिक्र नहीं था, जो 2019 में शी की पिछली यात्रा से बिल्कुल अलग बात है। अपनी पिछली मुलाकातों से अलग, इस बार शी और किम के साथ उनके रक्षा मंत्री, डोंग जून और नो क्वांग-चोल भी थे। 1992 के बाद यह पहली बार है, जब चीन के रक्षा मंत्री, चीनी राष्ट्रपति के साथ उत्तर कोरिया गए।

यह भी पहली बार है, जब चीन के किसी सीनियर रक्षा अधिकारी ने उत्तर कोरिया का दौरा किया है; इससे पहले 2019 में चीनी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पॉलिटिकल वर्क डिपार्टमेंट के तत्कालीन डायरेक्टर मियाओ हुआ ने वहां का दौरा किया था। हालांकि, खबरों के मुताबिक पिछले साल अक्तूबर में छह साल में पहली बार चीन का एक मिलिट्री डेलिगेशन उत्तर कोरिया गया था, लेकिन उस डेलिगेशन के स्तर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। इस हफ्ते मिलिट्री मामलों को जो अहमियत दी गई, वह आर्थिक और कूटनीतिक मामलों जैसी पारंपरिक प्राथमिकताओं के अलावा थी। शी के आने से एक दिन पहले- किम की बहन किम यो-जोंग ने कहा कि परमाणु शक्ति के तौर पर उत्तर कोरिया का दर्जा एक ह्यपक्की और कभी न बदलने वाली हकीकत है, और अमेरिका जैसी ह्युश्मन ताकतों को परमाणु हथियार खत्म करने की अपनी गलतफहमी छोड़ देनी चाहिए। शी के आने से पहले उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया रोडोंग सिनमुन में छपे एक लेख में, उन्होंने वर्चस्ववाद और ताकत की राजनीति, और ऐसी सभी महत्वाकांक्षाओं और साजिशों का विरोध करने पर जोर दिया, जो सैन्यवाद को फिर से जिंदा करना चाहती हैं, और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालती हैं। हैरत की बात है, कि उस आलेख में परमाणु हथियार खत्म करने (डीन्यूक्लियराइजेशन) का कोई ज़िक्र नहीं था। एक सच तो है, कि अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया और जापान के साथ गठबंधन मजबूत करने के जवाब में चीन, परमाणु संपन्न उत्तर कोरिया को अपने प्रभाव में ला रहा है!

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

कामकाजी के लिए परफेक्ट हैं ये हैंड बैग, बढ़ायेंगे आपकी शोभा

अगर आप भी वर्किंग वुमन हैं और रोजाना ऑफिस जाती हैं। तो आप भी अपने लुक को परफेक्ट बनाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि आप अपने ऑफिस लुक में चार चांद लगाने के लिए कुछ लेटेस्ट और नए डिजाइन वाले हैंडबैग को शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैंड बैग डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें आप अपनी जरूरत का सभी सामान आराम से रख सकती हैं। वहीं इन हैंड बैग को ऑफिस लुक में शामिल कर स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

ग्रीन एंड व्हाइट कलर हैंड बैग

आप ऑफिस लुक में इस तरह के खूबसूरत हैंड बैग को शामिल कर सकती हैं। आप किसी भी तरह के आउटफिट के साथ इस हैंड बैग को शामिल कर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। अधिकतर महिलाओं को ऐसे हैंड बैग के डिजाइंस पहली पसंद बने हुए हैं। यह हैंड बैग आपके लिए परफेक्ट हैं।

ओवरसाइज्ड डबल पॉकेट टोट बैग

अगर आपको भी खूबसूरत हैंडबैग पसंद हैं, आपको हमेशा नए और लेटेस्ट डिजाइन वाले हैंडबैग की तलाश में रहती हैं। तो आपको परेशान होने की बजाय इस तरह के ओवरसाइज्ड डबल पॉकेट टोट बैग को शामिल कर सकती हैं। यह आपके ऑफिस लुक को खास बना सकता है।

डेनिस ओवरसाइज डिटैचेबल स्लिंग हैंड बैग

अगर आप ऑफिस में एक जैसा हैंड बैग ले जाकर परेशान हो गई हैं और कुछ डिफरेंट ट्राई करने का सोच रही हैं, तो आपको इस तरह का ओवरसाइज डिटैचेबल स्लिंग हैंड बैग शामिल करना चाहिए।

डिटैचेबल स्ट्रैप ब्राउन ऑफिस बैग

अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो ऑफिस में डिटैचेबल स्ट्रैप ब्राउन बैग शामिल कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं। आपको ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर इस तरह के बैग आसानी से मिल जाएंगे। या फिर मार्केट से भी इस तरह के बैग खरीद सकती हैं।

डबल हैंडल शोल्डर स्ट्रैप लेदर हैंडक्राफ़्टेड बैग

डबल हैंडल शोल्डर स्ट्रैप लेदर हैंडक्राफ़्टेड बैग भी आपको बेस्ट लुक दे सकता है। यह न सिर्फ आपके ऑफिस लुक को स्टाइलिश बनाएगा, बल्कि इसमें सभी जरूरत का सामान भी आसानी से रख पाएंगी। क्योंकि इसमें आपको अच्छी खासी स्पेस मिल जाएगी। आप इसमें लैपटॉप भी आसानी से रख सकती हैं।

बरगंडी कलर का स्टाइलिश हैंड बैग

इस तरह का खूबसूरत बरगंडी कलर का स्टाइलिश हैंडबैग लेकर भी ऑफिस जा सकती हैं। इन दिनों यह हैंड बैग डिजाइंस ज्यादातर महिलाओं की पसंद बने हैं। जो आपके लिए भी परफेक्ट हो सकते हैं। इस तरह के बैग आपको ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट से मिल जाएंगे।

सिने जगत

काम दिलाने की आड़ में ठगे गए 20 लाख रुपए-नोरा फतेही

मुंबई की चमक-दमक के पीछे ठगी, ताने और संघर्ष की लंबी कहानी भी छुपी है। नोरा फतेही की जिंदगी भी ऐसी ही रही, जहां काम दिलाने का वादा कर 20 लाख रुपए ठग लिए गए और कई बार उन्हें बिना फीस के गाने करने पड़े। ह्यमेरा मजाक उड़ाया गया, दिलबर जैसे कई गाने फ्री में करने पड़ेह्न- यह दौर उनकी पहचान बनने से पहले के संघर्ष को दिखाता है।

कनाडा से मुंबई आई नोरा ने वेटर से लेकर ऑडिशन तक हर रास्ता अपनाया, लेकिन हार नहीं मानी। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी स्टारडम की सबसे बड़ी ताकत बना। नोरा का जन्म एक रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ। घर में डांस को लेकर कड़ा विरोध था, लेकिन उनके अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। उन्होंने कभी प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग नहीं ली। वे अलग-अलग डांस स्टाइल्स वीडियो देखकर और लगातार प्रैक्टिस से सीखती रहीं।

नोरा बचपन में घर के अंदर बंद कमरे में छिपकर डांस करती थीं। उन्हें डर रहता था कि परिवार को पता चल गया तो डांट पड़ेगी। एक बार उनकी मां ने उन्हें डांस करते देख लिया, जिसके बाद उन्हें डांट और सख्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। यहां तक की मां ने पिटाई भी की।विरोध के बावजूद नोरा ने डांस करना नहीं छोड़ा और अपने सपनों के लिए लगातार मेहनत करती रहीं। परिवार के विरोध और मुश्किल माहौल के बीच उन्होंने पढ़ाई पूरी की और इसके बाद भारत आने का फैसला किया। उनका सपना एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नाम बनाने और खुद को डांसर व परफॉर्मर के रूप में स्थापित करने का था।

नोरा फतेही 2014 में बॉलीवुड में करियर शुरू करने के लिए केवल 5,000 लेकर मुंबई पहुंची थीं। नोरा कहती हैं- मुझे यह भी नहीं पता था कि 1000 डॉलर क्या होते हैं। मैं एक अपार्टमेंट में नौ लड़कियों के साथ रहती थी। वहां अक्सर सोचती थी कि मैं किस मुसीबत में फंस गई हूं।

नोरा ने बताया कि भारत आने के बाद सबसे बड़ी चुनौती भाषा थी। हिंदी न जानने की वजह से ऑडिशन में उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता था। कई बार लोग उनके उच्चारण और एक्सेंट का मजाक उड़ाते थे। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहीं।

नोरा कहती हैं- फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखना है।मुझे हिंदी नहीं आती थी। हिंदी मेरे लिए विदेशी भाषा थी। सबसे पहले हिंदी सीखी और खुद को परफॉर्मर के तौर पर तैयार किया।

नोरा कहती हैं- मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में नहीं सोचा था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने ह्यदेवदासह्न और ह्यकुछ कुछ होता हैह्न जैसी फिल्में देखी थीं। मुझे लगता था कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। बॉलीवुड में काम करने की प्रेरणा मुझे कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस से मिली। फिर मैंने बहुत ऑडिशन देने शुरू किए।

स्ट्रगल के दिनों में आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें गुजारे के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। नोरा ने कॉफी शॉप में वेटर का काम किया और लॉटरी टिकट भी बेचे। मॉडलिंग और छोटे प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे, लेकिन कई बार काम के बाद भी भुगतान नहीं मिलता था।

नोरा के लिए सबसे मुश्किल समय वह था जब पैसों की कमी के कारण उन्हें खाने तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि कई बार दिनभर सिर्फ ब्रेड और अंडे खाकर गुजारा करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने मुंबई छोड़ने का विचार नहीं किया और अपने सपनों के लिए डटी रहीं।अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए नोरा फतेही कहती हैं कि उस समय जिस एजेंसी के साथ काम कर रही थी, वह उन्हें हफ्ते के सिर्फ 3 हजार रुपए देती थी। इतने कम पैसों में रोज का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता था।बॉलीवुड में पहचान बनाने से पहले मेरे साथ ठगी हुई। मैंने बताया था कि जब मैं कनाडा से भारत आई थी, तब मेरी पहली एजेंसी ने मुझे काम दिलाने का वादा किया। उनके कहने पर मैंने 20 लाख रुपए दे दिए। लेकिन बाद में उनका व्यवहार बदल गया। जब मैंने एजेंसी छोड़ने और पैसे वापस मांगने की बात की, तो उन्होंने साफ कह दिया कि पैसे नहीं मिलेंगे।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न

● नीरज कुमार दुबे

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है।

साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरूआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित हुआ मॉक ड्रिल

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)।जनपद में मानसून के आगमन से पूर्व बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहता है।हर वर्ष की भांति इस बार भी प्रशासन द्वारा विभिन्न संवेदनशील और नदी तटीय इलाकों में वृहद स्तर पर मॉक ड्रिल (पूर्वाभ्यास)का आयोजन किया गया। इन अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य बाढ़, जलभराव और अन्य आपातकालीन स्थितियों के दौरान राहत एवं बचाव तंत्र की सक्रियता, गतिशीलता और आपसी समन्वय को परखना था।

जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग द्वारा खुद इन पूर्वाभ्यासों का तहसील सदर के ग्राम-पड़या में आयोजित मॉक ड्रिल (पूर्वाभ्यास)कार्यक्रम का बारीकी से निरीक्षण किया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल,राज्य आपदा मोचन बल,स्थानीय पुलिस,स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें इस अभ्यास में शामिल हुआ। जिलाधिकारी स्वयं मौके पर मौजूद रहकर आपातकालीन तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने कहा कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की घड़ी में रेस्क्यू कार्य बिना किसी देरी के शुरू किया जा सके। प्रशासन द्वारा किए जा रहे इन पूर्वाभ्यासों से न केवल सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ता है,बल्कि आम जनता में भी सुरक्षा और भरोसे की भावना सुदृढ़ होती है।

तहसील सकलडीहा के ग्राम-पसहटा में गंगा नदी के बाढ़ का पानी भर जाने के कारण खोज-बचाव एवं राहत गतिविधियों का संचालन, राहत शिविर की स्थापना, बाढ़ चौकी की स्थापना,पशु शिविर की स्थापना,फील्ड हॉस्पिटल की स्थापना।संचार के वैकल्पिक साधनों की स्थापना,लतीफ शाह वीयर में अचानक फ्लैश फ्लड(अचानक बाढ़)आ जाने के कारण कुछ पर्यटको का फस जाना/कुछ का बह जाना। खोज-बचाव गतिविधि,स्वास्थ्य सेवाए प्रदान करना, एम्बुलेंस द्वारा घायलो का रेफर किया जाना। अफवाह नियंत्रण हेतु मीडिया ब्रीफिग, तहसील पं०दी०द०उ० नगर के ग्राम- बहादुरपुर में बाढ़ के पानी से घिरे लोगो को निकालते समय नाव का दुर्घटना ग्रस्त हो जाना।खोज-बचाव गतिविधि,प्राथमिक उपचार गतिविधि, प्रभावितों को रेफर किये जाने की गतिविधि,बाढ़ के पानी से चन्दौली-बबुरी मार्ग का कट जाना।मार्ग को सुचारु करने हेतु पुर्नस्थापन का कार्य, यातायात नियत्रंण/रुट डायवर्जन का कार्य, बाध में अधिक पानी आ जाने के कारण रिसाव का होना। रिसाव रोकने हेतु निरोधक कार्यो का संचालन,प्रभावित हो सकने वाली संभावित आबादी को एलर्ट करने की गतिविधि पर मार्क ड्रिल का अभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नावों,मोटर बोट,लाइफ जैकेट लाइट और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों के साथ आपदा मित्र पूरी मुस्तैदी से निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य का अभ्यास करें।बाढ़ चौकियों की स्थापना, सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पीने के पानी, रोशनी और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाता है।

आपदा के समय नेटवर्क फेल होने की स्थिति में वायरलेस और सैटेलाइट संचार व्यवस्था को दुरुस्त रखना।?जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों को भी जागरूक किया जाए, ताकि वे आपातकाल के समय पैनिक न हों और त्वरित सुरक्षा उपायों को अपना सकें।चंदौली प्रशासन की यह अग्रिम कार्ययोजना मानसून के दौरान जन-धन की हानि को न्यूनतम करने में बेहद कारगर साबित हो होगी।

मसाला फैक्ट्रियों पर छापा, मिलावट के सैंपल जब्त

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)। दिन शुक्रवार को प्रशासन ने दो प्रमुख मसाला कंपनियों 'रॉयल'और 'आर एल पर छापेमारी की इस दौरान भारी मात्रा में तैयार और कच्चे मसालों के नमूने जब्त किए गए,जिन्हें जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा गया है।उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार लगातार अभियान चला रही है इसी क्रम में, कमिश्नर(खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, अलीगंज,लखनऊ) और जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग के सख्त आदेशों के बाद पूरे जिले में मसालों के खिलाफ यह महा-अभियान शुरू किया गया है।प्रशासनिक टीम ने जनपद की सीमाओं में संचालित होने वाली 'रॉयल मसाले' और 'आर एल मसाले' नामक दो प्रमुख इकाइयों का औचक निरीक्षण किया इस कार्रवाई से फैक्ट्री संचालकों में हड़कंप मच गया टीम ने मौके पर गहन जांच करते हुए हल्दी,धनिया, मिर्चा और अन्य तैयार व कच्चे मसालों के भारी मात्रा में सैंपल जब्त किए,प्रशासन ने इन सभी संदिग्ध मसालों को मौके पर ही सील कर दिया और इन्हें तत्काल जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेज दिया है इस कार्रवाई का निर्देशन सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय)एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के.एन. त्रिपाठी के नेतृत्व में किया गया विशेष अभियान टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार और रणधीर सिंह यादव शामिल थे।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के तुरंत बाद इन कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महिला सहित 2 अभियुक्त गिरफ्तार,धोखाधड़ी की 1.42 करोड़ रुपये की धनराशि कराई गई होल्ड

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में साइबर अपराधियों एवं साइबर क्राइम इकोसिस्टम के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साइबर थाना चन्दौली पुलिस टीम द्वारा ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी एवं साइबर अपराध से जुड़े एक संगठित अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए ऑनलाइन ठगी में संलिप्त 02 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया है,जो माइक्रो फाइनेंस कम्पनी बनाकर विभिन्न राज्यों के लोगों को आसान ऋण उपलब्ध कराने का झांसा देकर उनसे ठगी कर रहे थे।थाना साइबर क्राइम द्वारा प्राप्त साइबर शिकायतों की जांच के दौरान जानकारी प्राप्त हुई किस्सकार निधि लिमिटेड?एवं अन्य फर्जी माइक्रो फाइनेंस कम्पनियों के नाम पर लोगों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया जा रहा है।अभियुक्तों द्वारा सोशल मीडिया, मोबाइल कॉल एवं अन्य माध्यमों से लोगों से सम्पर्क कर उन्हें लोन स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया जाता था तथा प्रोसेसिंग फीस, सिक्योरिटी मनी, बीमा शुल्क एवं अन्य चार्ज के नाम पर धनराशि जमा कराई जाती थी।इस कम्पनी की आड में साइबर फाइनेंसियल फ्राड का रुपया इसी अकाउंट में मंगवाया जाता था। शिकायतों के

विश्लेषण एवं तकनीकी जांच के दौरान समन्वय पोर्टल एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल(एनसीआरपी) पर उपलब्ध अभिलेखों का सत्यापन किया गया, जिसमें अभियुक्तों द्वारा संचालित बैंक खातों एवं गतिविधियों के संबंध में कुल 16 साइबर शिकायतें विभिन्न राज्यों से दर्ज पाई गई इसके अतिरिक्त अभियुक्तगण के विरुद्ध जनपद गौतमबुद्धनगर (नोएडा)में भी धोखाधड़ी का एक अभियोग पंजीकृत होना प्रकाश में आया है एवं लगभग रू एक करोड़ बयालीस लाख रुपये की साइबर फ्राड से प्राप्त धनराशि होल्ड थी।प्रकरण में वित्तीय लेन-देन,बैंक खातों एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है।कार्यवाही के क्रम में साइबर थाना पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि चन्दौली जनपद में संचालित एक कार्यालय से इस पूरे गिरोह का संचालन किया जा रहा है।गिरोह के सदस्य विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर शिकायतों के कारण अपना कार्यालय बंद कर कम्प्यूटर,रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख हटाकर फरार होने की तैयारी में है।प्रभारी साइबर थाना चन्दौली के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जनपद चन्दौली स्थित एक कार्यालय पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम के पहुंचने पर कुछ व्यक्ति सामान हटाकर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर बजरंग लॉन के सामने से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ एवं तलाशी के दौरान उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण,बैंकिंग दस्तावेज,फर्जी आधार कार्ड, मोबाइल फोन,मोहरें एवं अन्य अभिलेख बरामद हुए।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर विधिक कार्यवाही प्रचलित है।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उन्होंने एक राय होकर ?सत्कार निधि लिमिटेड कम्पनी?एवं ?माइक्रो फाइनेंस कम्पनी?नामक संस्थाओं का संचालन शुरू किया था।ये लोग ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराने का झांसा देते थे तथा उनसे 5,000 रुपये से 25,000 रुपये तक विभिन्न शुल्कों के नाम पर वसूली करते थे। अभियुक्तों द्वारा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बबुरी सहित विभिन्न बैंकों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खाते खुलवाये गये थे।इन खातों का संचालन मुख्य रूप से अभियुक्तों द्वारा किया जाता था।देश के विभिन्न राज्यों/जनपदों में होने वाले साइबर फ्रॉड एवं ऑनलाइन ठगी से प्राप्त धनराशि इन्हीं खातों में मंगाई जाती थी।इसके उपरान्त अभियुक्त अपना 1.5% कमीशन काटकर शेष धनराशि अपने अन्य सहयोगियों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर ट्रांसफर एवं खपा देते थे।गिरफ्तारी से बचने हेतु अभियुक्तों ने अपने वास्तविक फोटो लगाकर लेकिन फर्जी नाम एवं पते दशार्ते हुए कूटरचित आधार कार्ड भी तैयार कर अपने पास रखते थे।पूछताछ के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि अभियुक्तों द्वारा संचालित बैंक खाते के विरुद्ध विभिन्न राज्यों में 16 ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की अनेक शिकायतें दर्ज हैं ।

जनपद को बालश्रम और बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराने के लिए प्रशासन सख्त

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति,जिला स्तरीय टास्क फोर्स (डी०टी०एफ०)एवं जनपद स्तरीय बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई।बैठक की समुचित तैयारी न करके आने पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त हिदायत दिया।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी जैसी सामाजिक कुप्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने श्रम विभाग,पुलिस प्रशासन और बाल कल्याण समिति को समन्वय बनाकर ईंट-भट्टों,होटलों, ढाबों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। यदि किसी भी स्थान पर बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है तो नियोक्ता के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और बच्चों को वहां से रेस्क्यू कर उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।इसके साथ ही बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सुदूर ग्रामीण इलाकों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए,ताकि किसी भी व्यक्ति का आर्थिक या शारीरिक शोषण न हो सके। मुक्त कराए गए श्रमिकों को सरकारी योजनाओं(जैसे राशन,आवास,शिक्षा और स्वरोजगार)से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने पर भी विशेष बल दिया गया।बैठक में जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कुमार,जिला प्रोबेशन अधिकारी,पुलिस विभाग,बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि और समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस टीम द्वारा 28.68 ग्राम अवैध हेरोईन के साथ 2 अभियुक्त

मीरजापुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0देहात पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी । अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना को0देहात पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम चन्दईपुर स्थित जोगीवीर बाबा मंदिर के पास से 02 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता 1. अजीत विश्वकर्मा पुत्र मुन्ना विश्वकर्मा निवासी गौरियान बस्ती रमईपट्टी थाना को0शहर जनपद मीरजापुर व 2. संतोषी देवी पत्नी स्व0 विकाश दूबे निवासिनी पश्चिम महाल थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 28.68 ग्राम अवैध हेरोईन व 05 अदद मोबाइल फोन व बिक्री का 21,090 रुपए बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मुकदमा दर्ज किया गया।

सफल खादी ग्रामोद्योग उद्यमियों को मिलेगा पुरस्कार, 20 जून तक करें आवेदन-जिला ग्रामोद्योग अधिकारी

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम'एवं'मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के उद्यमियों को मंडल और राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गिरजा प्रसाद ने बताया कि योजना के तहत चयनित सफल उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ नकद धनराशि भी प्रदान की जाएगी।

पुरस्कार योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत केवल वही इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जो विगत 03 वर्षों से स्थापित हों और निरंतर कार्यरत हों। स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रही हों। जनपद स्तर से शॉर्टलिस्ट किए गए लाभार्थियों को मंडल स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय और इसके बाद राज्य स्तर पर भी प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से नवाजा जाएगा।इच्छुक उद्यमियों को आगामी 20 जून, 2026 तक अपने उत्पादित माल,बिक्री, रोजगार और इकाई के फोटोग्राफ सहित

एक विस्तृत विवरण जिला कार्यालय में जमा करना होगा।

इकाई का नाम,पूरा पता और मोबाइल नंबर,योजना का नाम, उद्योग का नाम, उत्पाद का नाम व प्रकार,वित्तपोषण का वर्ष और बैंक द्वारा वितरित धनराशि (लाख रुपये में), विगत तीन वर्षों का वर्षवार विवरण (वित्तीय वर्ष, उत्पादन लाख रुपये में और सृजित रोजगार की संख्या)जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि समस्त अर्ह खादी ग्रामोद्योग इकाइयां अपनी सूचनाएं निर्धारित तिथि(20 जून)तक गंगा रोड, रामजी कटरा स्थित 'जिला ग्रामोद्योग कार्यालय,चन्दौली' में जमा करा दें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन या सूचना पर विचार नहीं किया जाएगा।

विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया जाएगा सम्मानित

मीरजापुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद के समस्त जन साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर ‌ह्वविश्व दिव्यांगता दिवस‌ह्व के अवसर पर दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं/सेवायोजकों को उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्य स्तरीय/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है। दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेन्ट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्श्रोत हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के लिये राज्य/राष्ट्रीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकल बेबसाइट हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार है। राज्य पुरस्कार से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी तथा आवेदन पत्रों के निर्धारित प्रारूप विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध है। उक्त पुरस्कार हेतु इच्छुक पात्र दिव्यांग व्यक्तियों/ दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों/सस्थाओं एवं सेवायोजकों को सूचित किया जाता है कि वे अपने आवेदन पत्र की समस्त औपचारिकता पूर्ण कर तीन प्रतियों में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में यथाशीघ्र जमा करायें ।

आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर अपर जिलाधिकारी का जोर, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

भदोही, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला की अध्यक्षता में जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर प्राप्त विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बैठक में अनुपस्थित रहने वाले जिला पंचायत अधिकारी एवं अपर मुख्य अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए अपर जिलाधिकारी ने दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा गलत आख्या स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकरण में तथ्य छिपाने या गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने की शिकायत मिली तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को आईजीआरएस से संबंधित नवीनतम शासनादेशों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन कर उनका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं संज्ञान लेकर आईजीआरएस प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तायुक्त एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि जहाँ निरीक्षण करने जाए तो फोटो व दो गवाहों का सिग्नेचर भी कराए निस्तारण के समय। शिकायतकताओं से सीधे संवाद स्थापित कर निर्धारित समयावधि में समस्याओं का समाधान किया जाए, जिससे उन्हें संतुष्टि प्राप्त हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने विशेष रूप से उन ग्रामों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए, जहां शिकायतों की संख्या अधिक है अथवा असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतकताओं से संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में पोर्टल पर असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त नहीं होना चाहिए।अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि कोई भी प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में न जाने पाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही अथवा शिथिलता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन पर भी विशेष बल दिया। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ने ईडीएम आशुतोष श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि जिन विभागों में आईजीआरएस पोर्टल पर डिफाल्टर प्रकरण पाए गए हैं, उनसे तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्राप्त कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विजय नारायण सिंह, परियोजना अधिकारी आदित्य कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पाण्डेय, एआरटीओ राम सिंह वर्मा, समस्त तहसीलदार एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्र ने छात्र पर किया चाकू से वार,मौत

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 12 जून (देवव्रत संवाद)। शुक्रवार की सुबह सदर कोतवाली थाना अंतर्गत एक गांव में स्थित विद्यालय में ट्यूशन की क्लास चल रही थी इसी दौरान दो नाबालिक छात्रों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया इसी दौरान एक छात्र ने दूसरे छात्र पर चाकू से वार कर दिया जिसको इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने वार करने वाले छात्र को अपने अभिरक्षा में लेते हुए पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।मृतक छात्र का नाम लवकुश लगभग 16 वर्षीय बताया जाता है।

20 ग्राम अवैध हेरोईन के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

मीरजापुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)।अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में ी थाना को0शहर पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी । अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना को0शहर पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0शहर क्षेत्रांतर्गत महेश गुप्ता की गली से 01 अभियुक्त नन्हकू सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी चिल्ह थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर (हिस्ट्रीशीटर) को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 20 ग्राम अवैध हेरोईन (अनुमानित अंतराष्ट्रीय कीमत 04 लाख रुपए) व तस्करी में प्रयुक्त मोटर साइकिल वाहन संख्या वढ 63 इख 5061 बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-98/2026 धारा 8/21, 25/29 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

युवती के साथ दुष्कर्म करने व फोटो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)।थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर एक युवती द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी के साथ दुष्कर्म करने व फोटो/वीडियो वायरल करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-111/2026 धारा 69 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष जिगना को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जिगना पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 12.06.2026 को उप निरीक्षक चन्द्र शेखर प्रसाद मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त नागेन्द्र कुमार पुत्र अजय कुमार निवासी बिहसडा खुर्द थाना जिगना जनपद मीरजापुर को अतर्गत धारा 69 बीएनएस . में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

निशुल्क दोना मेकिंग मशीन एवं पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन वितरण के चयन हेतु 14 जून तक आवेदन आमंत्रित

मीरजापुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि उ०प्र०खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा टूलकिट्स वितरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में निःशुल्क दोना मेकिंग मशीन एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन वितरण के चयन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 14.06.2026 तक आमंत्रित किये जाते हैं। जनपद में दोना बनाने वाले एवं पॉपकार्न बनाने वाले परम्परागत कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखनें वाले अन्य व्यक्ति वेबसाईट पर आनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र की एक प्रति समस्त प्रपत्रों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, पथरहिया रोड, मीरजापुर में जमा कर दें। उक्त दिनांक के उपरान्त कोई आवेदन पत्र स्वीकार नही होगा। आवेदको का चयन उनके द्वारा ऑनलाईन भरे गये स्कोर कार्ड के सत्यापन उपरान्त किया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में पथरहिया रोड स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मे सम्पर्क कर सकते हैं।आवेदन पत्र में लगने वाले प्रपत्र- आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड / परिवार रजिस्टर, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक इत्यादि

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियुक्तों पर लगा अर्थदण्ड

भदोही, 12 जून (देवव्रत संवाद)। भदोही पर आवेदक मो० शहीद उर्फ पप्पू पुत्र शरीफ निवासी जमुनीपुर कालोनी थाना भदोही जनपद भदोही नेथाना भदोही पर अभियोग पंजीकृत कराया कि उसकी बहन अफसाना का विवाह अकरम अली पुत्र मुनौवर अली निवासी मुल्ला तालाब जलालपुर भदोही जनपद भदोही के साथ 14 वर्ष पहले हुआ था। उसकी बहन अफसाना को कोई औलाद नहीं थी, जिसे लेकर उसका जीजा अकरम अक्सर उसकी बहन को भला-बुरा कहता था, दिनांक 05/06 अक्टूबर 2024 की रात्रि अकरम द्वारा अफसाना का गला दबाकर हत्या कर दिया गया। उक्त तहरीर के आधार पर मुकदमा अन्तर्गत धारा-103(1), 240 भारतीय न्याय संहिता में पंजीकृत कर आरोप पत्र मा0 न्यायालय प्रेषित किया गया। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में एवं श्री अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में ?ऑपरेशन कन्विक्शन'' के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध मा0 न्यायालय द्वारा अधिकतम व त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकृत अभियोग में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल व डीजीसी श्री दिनेश कुमार पाण्डेय की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप आज दिनांक 12.06.2026 को मा0 न्यायाधीश अखिलेश दुबे, सत्र न्यायाधीश भदोही द्वारा दोषसिद्ध अकरम अली को अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या करने के संबंध में धारा 103 (1) एवं धारा-240 भारतीय न्याय संहिता के अपराध में आजीवन कारावास व मु० 20,000/- रुपये अर्थदण्ड से, अर्थदण्ड की धनराशि अदा न किये जाने पर छः माह के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा दण्डित किया जाता है, दोषसिद्ध द्वारा संदत्त सम्पूर्ण अर्थदण्ड की धनराशि में से आधी धनराशि वादी मुकदमा को प्रदान किया जायेगा।

कोईरौना पुलिस को गांजा तस्करी करते अभियुक्त

भदोही, 12 जून (देवव्रत संवाद)। अभिनव त्यागी , पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में जनपद के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी के पूर्णतया रोकथाम एवं तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु दिए गए निदेशों के क्रम में आज दिनांक 12.06.2026 को श्री शुभम अग्रवाल , अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में मुखबिरी सूचना पर चन्द्रशेखर उर्फ राज सिंह पुत्र विकाश सिंह, निवासी ग्राम गजाधरपुर, थाना कोईरौना, जनपद भदोही (उम्र करीब 22 वर्ष) को उसके ग्राम गजाधरपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से प्लास्टिक के झोले में अवैध गांजा 548 ग्राम बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोईरौना, जनपद भदोही में मु0अ0सं0-110/2026 धारा 8/20 ठउ्रद्धर अू३ का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए चालान माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

साइबर पुलिस ने साइबर ठगी की शिकार पीड़िता के खाते में 42,182.13 की धनराशि वापस कराई

भदोही, 12 जून (देवव्रत संवाद)।जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर ठगी के पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही श्री अभिनव त्यागी द्वारा समस्त थानों पर स्थापित साइबर हेल्प डेस्क को तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है।उक्त क्रम में आवेदिका निवासी सोबरी, थाना ऊंज, जनपद भदोही के साथ एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा आधार कार्ड एवं पैन कार्ड अपडेट कराने के नाम पर साइबर धोखाधड़ी की गई थी, जिससे उनके खाते से धनराशि निकाल ली गई थी। घटना के उपरांत आवेदिका द्वारा ऑनलाइन साइबर शिकायत दर्ज कराई गई। प्राप्त शिकायत एवं एनसीआरपी पोर्टल पर उपलब्ध विवरणों का अवलोकन कर साइबर हेल्प डेस्क थाना ऊंज द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता के खाते में 42,182.13/- (बयालीस हजार एक सौ बयासी रुपये तेरह पैसे मात्र) की धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई।अपने खाते में धनराशि वापस प्राप्त होने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक भदोही एवं साइबर हेल्प डेस्क थाना ऊंज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

नारी शक्ति का करें सम्मान, तभी बनेगा देश महान

भदोही, 12 जून (देवव्रत संवाद)।उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु जनपद भदोही पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक भदोही श्री अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्री शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की एंटी रोमियो टीमों एवं महिला पुलिस कर्मियों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर भ्रमण कर छात्राओं, महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों तथा महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान महिलाओं को वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, महिला हेल्पलाइन-181, साइबर हेल्पलाइन-1930, एम्बुलेंस सेवा-108, सीएम हेल्पलाइन-1076 सहित विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई ।

दैनिक देवव्रत www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र.
13 जून 2026, शनिवार

एनटीपीसी सिंगरौली में क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक ने किया दौरा

प्रचालन उत्कृष्टता, कर्मचारी कल्याण एवं सामुदायिक विकास गतिविधियों की समीक्षा

सिंगरौली , 12 जून (देवव्रत संवाद)। एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं एनएसपीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दिवाकर कौशिक का दिनांक 11 एवं 12 जून 2026 को एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना का दो दिवसीय दौरा सम्पन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रमुख प्रचालन गतिविधियों, अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों, कर्मचारी कल्याण पहलों तथा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों का अवलोकन किया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित किया।

दौरे के दौरान श्री कौशिक ने परियोजना के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया, जिनमें स्टेज-कक्क परियोजना क्षेत्र, एफजीडी क्षेत्र, यूनिट-1 नियंत्रण कक्ष तथा स्टेज-क कोल स्टैक यार्ड प्रमुख रहे। उन्होंने संयंत्र के संचालन, रखरखाव, पर्यावरणीय अनुपालन एवं क्षमता संवर्धन से संबंधित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उत्कृष्ट प्रचालन मानकों को बनाए रखने पर बल दिया।अपने प्रवास के दौरान उन्होंने नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) का भी भ्रमण किया, जहाँ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न प्रचालन एवं समन्वयात्मक विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। दोनों संगठनों के मध्य सहयोग एवं समन्वय को और सुदृढ़ करने की दिशा में सकारात्मक चर्चा की गई।इसी क्रम में श्रीमती सीमा कौशिक, अध्यक्षा, उत्तरा क्लब, लखनऊ ने वनिता समाज, शक्तिनगर द्वारा संचालित वनिता रसोई, वात्सल्य क्रेच, टाइनी टॉट्स, बाल भवन एवं वेलफेयर शॉप का अवलोकन किया। उन्होंने इन संस्थानों द्वारा महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा वेलफेयर गतिविधियों से जुड़ी महिलाओं का सम्मान किया।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में

संवेदनशीलता, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करते हैं। दौरे के दौरान श्री कौशिक ने परियोजना परिसर में नवस्थापित आईटी कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने एसएमसी के सदस्यों के साथ बैठक कर सुरक्षा एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यकारी संघ एवं यूनियन प्रतिनिधियों के साथ भी संवाद कर कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों एवं सुझावों पर विचार-विमर्श किया।शाम को उन्होंने नव निर्मित ह्यपृथ्वी भवनह्न अतिथिगृह का उद्घाटन तथा स्टेडियम परिसर में स्थापित आधुनिक जिम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विकास संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा ये पहलें कार्यस्थल पर बेहतर जीवन-स्तर एवं स्वास्थ्य संस्कृति को बढ़ावा देंगी।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में श्री कौशिक ने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बालिका सशक्तीकरण अभियान में शामिल बालिकाओं को साइकिलों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सशक्त समाज की आधारशिला है और यह पहल बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन को भी बढ़ावा देगी।

इसके उपरांत कर्मचारी विकास केंद्र (ईडीसी) में आयोजित गर्ल एम्पावरमेंट मिशन (जीईएम)-2026 के सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्होंने सहभागिता की। बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह मंच बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं रचनात्मक प्रतिभा के विकास का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए श्री कौशिक ने सपरिवार परियोजना परिसर स्थित अतिथिगृह में वृक्षारोपण भी किया तथा प्रकृति संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया।यह दौरा श्री ई. प्रभाकर राव, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली तथा श्रीमती ई. निर्मला, अध्यक्षा, वनिता समाज, श्री सी एच किशोर कुमार, महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक(परियोजना) के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दौरे ने परियोजना की प्रचालन उत्कृष्टता, कर्मचारी कल्याण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास के प्रति एनटीपीसी सिंगरौली की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया।

450 प्रभावितों को मिला मुआवजा, 200 करोड़ का भुगतान प्रक्रियाधीन-निरंजन

शक्तिनगर/, 12 जून (देवव्रत संवाद)। विस्थापन प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों के बीच एनसीएल प्रबंधन ने अपना पक्ष रखते हुए पुनर्स्थापना समिति द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। एनसीएल के महाप्रबंधक (पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना) निरंजन रुक्मांगद ने कहा कि मुआवजा वितरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और यह एनसीएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि प्रभावितों को मुआवजा देने से पहले आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाती है और पात्रता सिद्ध होने के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। ड्रोन सर्वे को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सर्वे सभी संबंधित मंचों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहमति तथा आवश्यक शासकीय अनुमति के बाद कराया गया था।

भ्रष्टाचार और पैसे लेने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए जीएम ने कहा कि ऐसे आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं। उन्होंने बताया कि आरोप लगाने वालों से प्रमाण मांगे गए थे, लेकिन कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ आरोप प्रमाणित होते हैं तो एनसीएल द्वारा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निरंजन रुक्मांगद के अनुसार अब तक लगभग 450 प्रभावितों को मुआवजा वितरित किया जा चुका है, जिससे एक हजार से अधिक परिवार सदस्य लाभान्वित हुए हैं। वहीं करीब 200 करोड़ रुपये के मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा लगभग एक हेक्टेयर भूमि का कब्जा भी लिया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग व्यक्तिगत स्वार्थों के कारण प्रक्रिया पर अनावश्यक सवाल उठा रहे हैं। कर्मचारियों पर विभिन्न प्रकार के दबाव और प्रलोभन डाले जाने के बावजूद नियमों के विरुद्ध कोई भुगतान नहीं किया जा रहा है ।

माड़ा में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

सिंगरौली , 12 जून (देवव्रत संवाद)।)जिले के माड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुल्हुई गांव में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अशोक कुमार प्रजापति के रूप में हुई है, जिसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा गुरुवार रात लगभग 11 बजे हुआ। टक्कर के बाद युवक सड़क किनारे लहूलुहान और घायल अवस्था में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की नजर जब उस पर पड़ी, तो उन्होंने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक युवक की हालत नाजुक बनी हुई है और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने की आशंका है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। गौरतलब है कि सिंगरौली जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसे पुलिस और प्रशासन के लिए गहरी चिंता का विषय बने हुए हैं।

डीएमएफ एवं राज्य योजना ग्रामीण के कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

सोनभद्र, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में संचालित विकास परियोजनाओं की प्रगति को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) एवं राज्य योजना ग्रामीण के अंतर्गत निमार्णाधीन महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समयसीमा के अनुरूप पूर्ण किए जाएं ताकि आमजन को उनका लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पटवध-बसुहारी मार्ग पर घाघर नदी के ऊपर निमार्णाधीन सेतु एवं पहुंच मार्ग की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्य में अपेक्षित तेजी लाने तथा निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि यह सेतु क्षेत्र के हजारों लोगों के आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में ग्राम मारकुण्डी-घुरमा मार्ग पर घाघर नदी स्थित पुराने एवं जर्जर पुल के स्थान पर 8-सेल बॉक्स कल्वर्ट तथा सुरक्षात्मक कार्यों के निर्माण की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वषार्काल को दृष्टिगत रखते हुए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिससे क्षेत्रीय जनता को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त कलवारी-राबर्ट्सगंज राज्य मार्ग के चैड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि बेहतर सड़क अवसंरचना से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचालित सभी विकास परियोजनाएं शासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं।इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रीय जनता को बेहतर संपर्क मार्ग, सुरक्षित आवागमन एवं आधारभूत सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चोरी की वारदात का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली , 12 जून (देवव्रत संवाद)। थाना लंघाडोल पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गए तीन विद्युत मोटर पंप बरामद किए हैं।बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिलेभर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना लंघाडोल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति ग्राम डोंगरी के नाले के पास झाड़ियों में चोरी का सामान छिपाकर रखे हुए हैं।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई करते हुए उदित नारायण शर्मा, रामविलास उर्फ कमलेश उपाध्याय तथा बलवन्त सिंह को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से सीआरआई कंपनी के तीन विद्युत मोटर पंप बरामद किए गए। आरोपियों ने पूछताछ में उक्त मोटर पंप चोरी करना स्वीकार किया।

तीन संतान होने पर सिंगरौली के उप पंजीयक अशोक परिहार बर्खास्त

सिंगरौली , 12 जून (देवव्रत संवाद)। मध्य प्रदेश सरकार ने शासकीय सेवा के नियमों का उल्लंघन करने और गंभीर अनियमितताओं के आरोपों से घिरे सिंगरौली के उप पंजीयक श्री अशोक सिंह परिहार पर अब तक की सबसे बड़ी गाज गिराई है। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्य प्रदेश द्वारा जारी एक कड़े आदेश के तहत, 'तीन संतान' होने का दोष सिद्ध होने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से पूरी तरह बर्खास्त कर दिया गया है।विभागीय आदेश के अनुसार, अशोक सिंह परिहार की तीसरी संतान (पुत्र अभिषेक सिंह) का जन्म 19 नवंबर 2003 को हुआ था। सिंगरौली कलेक्टर द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति के प्रतिवेदन में इस बात की पुष्टि हुई थी। मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम, 1961 के प्रावधानों के मुताबिक, 26 जनवरी 2001 के बाद दो से अधिक जीवित संतान होने पर कोई भी उम्मीदवार या कर्मचारी शासकीय सेवा के योग्य नहीं माना जाता है। परिहार ने नियमों की अज्ञानता का तर्क देकर बचने का प्रयास किया, जिसे विभाग ने सिरे से खारिज कर दिया।इस मामले का एक और चौंकाने वाला पहलू यह है कि सिंगरौली में लगभग 8 वर्षों से जमे उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार का विवादों से पुराना नाता रहा है।उन पर एक करोड़ दस लाख रुपये से अधिक की स्टाम्प चोरी करने का भी गंभीर आरोप लगा था, जिसके चलते उन्हें पूर्व में निलंबित किया गया था।स्थानीय स्तर पर यह चर्चा का विषय था कि भारी राजनीतिक रसूख और ऊंची पहुंच के कारण वे न सिर्फ बहाल हुए, बल्कि नियमों को ताक पर रखकर दोबारा सिंगरौली में ही मलाईदार पद पर काबिज होने में कामयाब रहे।लंबे समय से सिंगरौली में जमे परिहार के खिलाफ स्थानीय लोगों, वकीलों और दस्तावेज लेखकों में भारी नाराजगी और शिकायतों का माहौल था। उन पर भ्रष्टाचार और मनमानी के कई आरोप लग रहे थे।अब 'तीन संतान' के इस कानूनी फंदे में फंसने के बाद, सिविल सेवा नियम के तहत सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

कथा श्रवण से होती है मन की शुद्धि, मिलती है मुक्तिरू धानी शास्त्री, यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सोनभद्र, 12 जून (देवव्रत संवाद)। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में शुक्रवार को विराट रुद्र महायज्ञ में पूजन-अर्चन कराया गया।यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जयकारे से समूचा परिसर गुंजायमान हो गया।शिव मंदिर में दूध से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया, जबकि कमल व गुलाब के फूल से बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने कहा कि कथा श्रवण करने से मन शुद्ध होता है और मुक्ति मिलती है।उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म से लेकर माता यशोदा तक बासुदेव जी के जरिए भगवान श्री कृष्ण को पहुंचाने की लीला का रसपान कराया। वहीं भजन संध्या में वाराणसी से आए राष्ट्रीय बाल कलाकार श्रीराम कृष्ण, श्रीराधा कृष्ण व श्रीराधे कृष्ण ने एक से बढ़कर एक भजन, गीत व गजल सुनाया। वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई।प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। शिव मंदिर में दूध, गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया गया और कमल व गुलाब के फूल से बाबा भोलेनाथ का श्रृंगार किया गया। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जा रही है।प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।उन्होंने ने यह भी बताया कि 13 जून को विराट रुद्र महायज्ञ की पूणार्हुति अयोध्या के महंत कमलनयन दास जी महाराज द्वारा होगी। इसके अलावा कन्याओं की शादी कराई जाएगी।

गोंगपा ने प्रदर्शन कर 26 सूत्रीय मांगो को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दुद्धी, सोनभद्र, 12 जून (देवव्रत संवाद)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के युवामोर्चा मोर्चा व महिला मोर्चा जिला इकाई सोनभद्र के तत्वावधान में 26 सूत्रीय मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल ध्मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी निखिल यादव को तहसील परिसर में शुक्रवार को सौंपा।इस दौरान जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी समस्याओं को रखी।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमर सिंह मरकाम ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष कुमार, विशिष्ट अतिथि रामनरेश पोया आदि ने कहा कि जनपद आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के बाबजूद भी शासन प्रशासन द्वारा उपेक्षा का शिकार हो रहे है और सरकार संविधान की पांचवीं एवं छठी अनुसूची लागू नहीं कर रही।विकास के नाम पर मूलनिवासियों का विनाश करते हुए यहां के प्राकृतिक स्वरूप को बिगाड़ा जा रहा हैं। ज्ञापन के माध्यम से उपजिलाधिकारी को तीन युवकों ने अमवार दरोगा पर विगत दिनों मारने पीटने एवं गाली गलौज करते हुए जातिसूचक शब्द का प्रयोग करने का आरोप लगाया है।युवक संजय प्रकाश, ओन प्रकाश एवं अनिल कुमार ने उपजिलाधिकारी को बताया कि घटना 3 जून की है जब वे अपने गांव बघाडू में सड़क किनारे खड़े थे जहां मारपीट सहित जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया गया इस दौरान एक युवक का हाथ फैक्चर हो गया है।जिसके लिए सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र दिए है लेकिन अभी तक कोई निस्तारण नहीं हुआ।

रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती के अवसर पर कवि गोष्ठी का हुआ आयोजन

गाजीपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। साहित्य चेतना समाज के तत्वावधान में चेतना-प्रवाह कार्यक्रम के अन्तर्गत महान क्रांतिकारी एवं कवि रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती के अवसर पर शांतिनिकेतन इण्टर कालेज बरही के पूर्व प्रधानाचार्य प्रकाश चन्द्र दूबे के सरैयां स्थित आवास पर विचार-गोष्ठी एवं कवि-गोष्ठी आयोजित की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ संजय पाण्डेय की वाणी वंदना से हुआ। विचार-गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि 11 जून 1897 को शाहजहांपुर में जन्में रामप्रसाद बिस्मिल क्रांतिकारी के साथ अच्छे कवि भी थे।भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन की क्रांतिकारी धारा के प्रमुख सेनानी बिस्मिल ने अपने 11 वर्ष के क्रांतिकारी जीवन में कई पुस्तकें लिखीं और स्वयं ही उन्हें प्रकाशित कराया।उनकी रचनाएँ देशभक्ति और क्रांति से ओतप्रोत हैं।अपनी पुस्तकों को बेचकर जो धनराशि मिली उससे उन्होंने हथियार खरीदे।उन हथियारों का उपयोग उन्होंने ब्रिटिश राज का विरोध करने के लिए किया।उनकी अधिकांश पुस्तकों को तत्कालीन सरकार ने जब्त कर लिया।बिस्मिल ने शचीन्द्रनाथ सान्याल और अशफाकउल्ला खाँ के साथ मिलकर हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।10 अगस्त 1025 को काकोरी में ट्रेन रोककर सरकारी खजाना लूटा।इस साहसिक घटना ने अंग्रेजी सरकार को हिलाकर रख दिया।उन्हें गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया।जेल में ही उन्होंने अपनी आत्मकथा लिखी।19 दिसम्बर 1927 को मात्र 30 वर्ष की आयु में उन्हें गोरखपुर में फांसी दे दी गई।बिस्मिल का पूरा जीवन मातृभूमि की स्वतन्त्रता के लिए समर्पित

रहा।उनका अदम्य साहस और बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। विचार-गोष्ठी के पश्चात हुई कवि-गोष्ठी में वरिष्ठ गीतकार नागेश मिश्र ने दूध के कर्ज और मिट्टी का मान रखते हैं/वतन की खातिर हथेली पर जान रखते हैं सुनाकर बिस्मिल को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।ओज के कवि दिनेश चंद्र शर्मा ने ह्यभारत माँ की बेड़ियों के जटिल बंधन को/माँ भारती के अभिनन्दन को/ कर दिया प्राण न्यौछावर सुनाकर श्रोताओं में देशभक्ति की भावना का संचार किया।वरिष्ठ कवि अमरनाथ तिवारी अमर ने ह्यमतवाली होकर तरुणाई, खाई थी सीने पर गोली/ध्वज स्वतन्त्रता का फहर उठा, जब खेली प्राणों की होलीह्न सुनाकर क्रांतिकारियों के बलिदान को स्मरण किया।गोपाल गौरव ने तूफान समन्दर के कश्ती में आ गए/हैजे के किटाणु अब दस्ती में आ गए/बचना बहुत कठिन है यारो जान लो/जंगल के भेड़िए सभी बस्ती में आगए सुनाकर सामाजिक विसंगतियों पर करारा व्यंग्य किया।बालेश्वर दत्त पाण्डेय ने दूश्मनों की हर डगर को मूंग सा दलते रहे/पाँव में छाले पड़े थे वीर पर चलते रहे/जिस्म की हर साँस इन सेनानियों की देन है/वे बुझे थे इसलिए ही ये दीये जलते रहेह्न सुनाकर शहीदों के त्याग व बलिदान का स्मरण कराया।मनोज यादव बेफिक्र ने ह्यतुझसे आन रहेगी, बान रहेगी/भारत की माटी की शान रहेगी सुनाकर बिस्मिल को नमन किया।आशुतोष श्रीवास्तव ने जातियों, धर्मों में बंट गये हम लोग/बलिदानियों के बलिदान को भूल गये हम लोग एवं अभिमन्यु यादव ने ह्यतन-मन-धन जिसने देश पर वारा है/ वह बिस्मिल हमें जान से प्यारा है सुनाकर अमर बलिदानियों के बलिदान को नमन किया।संजय पाण्डेय ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। कार्यक्रम में संस्था के संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी, बटुक नारायण मिश्र, बालेश्वर दत्त पाण्डेय, प्रवेश प्रकाश, सुधीर पाण्डेय, रामानुज राय, अंजनी कुमार दूबे, प्रभात कुमार मिश्र, अमृत कुमार दूबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।अध्यक्षता बटुक नारायण मिश्र एवं संचालन संस्था के संस्थापक अमरनाथ तिवारी अमर ने किया।अंत में पूर्व प्रधानाचार्य प्रकाश चन्द्र दूबे ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आंधी में महिला पर गिरा विशाल पेड़, जेसीबी और हाइड्रा की मदद से सुरक्षित निकाला बाहर

सिंगरौली(देवव्रत संवाद)जिले के राजमिलान क्षेत्र में गुरुवार शाम आई तेज आंधी और तूफान के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। आंधी की वजह से एक महिला के ऊपर आम का विशाल पेड़ गिर गया, जिसके नीचे वह दब गईं। हालांकि, पुलिस और राहत दल की त्वरित कार्रवाई के चलते कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम राजमिलान के पोखरा टोला की रहने वाली मान कुमारी शाह (40) गुरुवार शाम करीब 7 बजे खेत के पास मौजूद थीं। इसी दौरान मौसम बदला और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। तभी अचानक एक बड़ा आम का पेड़ जड़ से उखड़कर उनके ऊपर गिर पड़ा, जिससे वह उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। बंधौरा चौकी प्रभारी बी.एल. बंसल पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पेड़ का आकार बहुत विशाल होने के कारण उसे हटाने के लिए दो हाइड्रा और एक जेसीबी मशीन की मदद ली गई। कई घंटों की मेहनत के बाद महिला को सुरक्षित निकाला गया।रेस्क्यू के तुरंत बाद पीड़ित महिला को एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय बैढ़न के ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की स्थिति में अब सुधार हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने समय पर शुरू हुए इस रेस्क्यू ऑपरेशन और पुलिस व प्रशासन की तत्परता की जमकर सराहना की है।

कोर्ट के आदेश के 11 महीने बाद भी नहीं हुई जमीन की पत्थरगड्डी

सोनभद्र, 12 जून (देवव्रत संवाद)। कोर्ट के आदेश के 11 महीने बाद भी जमीन की पथरगड्डी नहीं हुई।सिर्फ कानूनगो व लेखपाल द्वारा दबंग व्यक्ति के प्रभाव में आकर हीलाहवाली की जा रही है।पीड़ित व्यक्ति ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई है।पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान पुत्र स्वर्गीय अरमान खान निवासी ग्राम बनौरा प्रथम, थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र ने आरोप लगाया है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय ने 25 जून 2025 को आराजी नम्बर 198 मि की पथरगड्डी का स्पष्ट आदेश पारित किया गया है।जिसमें राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को टीम के साथ मौके पर जाकर सीमांकन करने को कहा गया था।बावजूद इसके 11 महीने बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि कानूनगो व लेखपाल द्वारा आदेश की अवहेलना की जा रही है। इतना ही नहीं कभी धान की फसल तो कभी गेहूं की फसल का बहाना बनाकर लगातार हीलाहवाली की जा रही है।यह कार्य जमीन के बगल के दबंग के प्रभाव में हो रहा है, क्योंकि दबंग ने जमीन के कुछ हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है।दबंग व्यक्ति द्वारा जान मारने की धमकी भी दी जा रही है।डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र मे पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान अपने अधिवक्ता पुत्र शाहनवाज आलम खान के साथ एक शिकायत पत्र डीबीए कार्यालय में देकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने की मांग की है।

दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति को दस वर्ष व सास-ससुर को सात वर्ष की सुनाई सजा, लगाया अर्थदण्ड

गाजीपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। दहेज हत्या के एक मामले में जिला जज धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया।कोर्ट ने मृतका के पति को 10 वर्ष तथा सास और ससुर को 7-7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।तीनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।इमरजेंसी के रजिस्टर में छेड़छाड़ करने पर तैनात चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने का दिया आदेश।जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्र के कपुरपुर देहाती निवासी विक्की कुमार ने थाना मोहम्मदाबाद में तहरीर दी थी।उन्होंने बताया कि उनकी बहन अनिता कुमारी की शादी वर्ष 2017 में मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के आदिलाबाद निवासी पवन कुमार से हुई थी। दंपति का एक पुत्र अरुण कुमार था, जिसकी उम्र घटना के समय करीब दो वर्ष थी।अभियोजन के अनुसार, 27 जून 2020 की सुबह पवन कुमार अपनी पत्नी और पुत्र को मायके से लेकर आदिलाबाद स्थित अपने घर गया।उसी दिन करीब 11 बजे अनिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वादी ने आरोप लगाया कि पति, सास और ससुर ने मिलकर उसे जहर देकर मार डाला।सूचना पर पुलिस ने 27 जून 2020 को मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।विवेचना पूरी होने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया।मामले के विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।निर्णय में न्यायालय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद में तैनात डॉ. आकाश कुमार की भूमिका पर भी गंभीर टिप्पणी की। अदालत ने आदेश के पैरा-30 में उल्लेख किया कि आकस्मिक रजिस्टर में कथित छेड़छाड़ कर अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर को डॉ. आकाश कुमार के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

गाजीपुर मेडिकल कालेज में धर्मांतरण रोकथाम सेल का होगा गठन- प्रोफेसर डा. आनंद मिश्रा

गाजीपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। महर्षि विश ?वामित्र स ?वशासीय मेडिकल कालेज में धर्मांतरण रोकथाम सेल गठन किया जायेगा।इस संदर्भ में मेडिकल कालेज गाजीपुर के प्रिंसिपल प्रोफेसर डा. आनंद मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आदेश सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेज और डेंटल कालेजों में धर्मांतरण रोकथाम सेल का गठन किया जाये।इस सेल का प्रमुख कार्य और उद्देश्य: जागरूकता: यह सेल छात्रों, रेजिडेंट डॉक्टरों, संकाय सदस्यों (फैकल्टी) और कर्मचारियों के बीच धर्म परिवर्तन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, व्यक्तिगत अधिकारों और संस्थागत जिम्मेदारियों पर जागरूकता अभियान चलाएगा। सतर्कता और निगरानी: परिसरों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी।शिकायत निवारण: यह विशेष सेल प्राप्त शिकायतों की जांच करेगा और नियमानुसार तत्काल आवश्यक और सख्त कार्रवाई करेगा।उन्होने बताया कि धर्मांतरण रोकथाम सेल के गठन के लिए शासन से गाइडलाइन प्राप्त होते ही कमेटी बना दी जायेगी।

बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन

गाजीपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश में बाढ़ के प्रति संवेदनशील व अतिसंवेदनशील जनपद में बाढ़ आपदा से बचाव सुरक्षा हेतु राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज संचालित किया है।उत्तर प्रदेश राज्य के 41 जनपदों मे बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज किया गया। इसी क्रम में आज जनपद गाजीपुर के पांच बाढ़ प्रभावित तहसील सदर, सैदपुर, जमानिया, मुहम्दाबाद, सेवराई, के समस्त बाढ़ प्रभावित तहसीलों में तहसीलो के उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता मे बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन पूर्वान्ह 09 बजे से आरंभ कर किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहसील सदर के तहत पोस्ता घाट पर गंगा नदी के किनारे अत्यधिक वर्षा/अतिविष्टि/बाढ़ के पानी के दबाव से मकान क्षतिग्रस्त हुआ, क्षतिग्रस्त मकान में से 10-15 लोगों को सुरक्षित निकाला गया।जनपद में किसी भी मौत के बाद दाह संस्कार करने के बाद गंगा नदी में स्नान का प्रथा है।

अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से संतोषजनक फीडबैक प्राप्त करें -जिलाधिकारी

आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण न किए जाने के कारण 57 अधिकारियों का वेतन अवरुद्ध

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में कर एवं करेत्तर राजस्व तथा आईजीआरएस प्रकरणों की जनपदीय मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की माह मई 2026 की राजस्व प्राप्तियों एवं शिकायत निस्तारण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान व्यापार कर की प्रगति 51.30 प्रतिशत, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन 80.15 प्रतिशत, परिवहन कर 95.88 प्रतिशत, आबकारी 87.39 प्रतिशत, वन विभाग 76.59 प्रतिशत, खनन 78.47 प्रतिशत, भू-राजस्व 17.63 प्रतिशत, विद्युत देय 53.43 प्रतिशत, बैंक देय 113.52 प्रतिशत, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य 8.73 प्रतिशत, सड़क एवं पुल 19.44 प्रतिशत तथा स्थानीय निकायों की प्रगति 91.38 प्रतिशत पाई गई।इस प्रकार माह मई की कुल प्रगति 72.18 प्रतिशत रही।जिलाधिकारी ने व्यापार कर एवं अन्य कम प्रगति वाले विभागों को अपने राजस्व संग्रह में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए। खनन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को जनपद के सभी ईंट-भट्टों का सघन निरीक्षण करने तथा अवैध खनन के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने तथा लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति न होने के कारणों से अवगत कराने हेतु सहायक महानिरीक्षक निबंधन को निर्देशित किया।

बैठक में विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए

कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा स्वयं शिकायतकताओं से संवाद स्थापित कर उनकी संतुष्टि प्राप्त की जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि शिकायतकताओं से सीधे संपर्क कर समस्याओं का समाधान करें तथा संतोषजनक फीडबैक प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने डी श्रेणी में आने वाले विभागों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि आगामी समीक्षा तक ए श्रेणी प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण कर जनपद की रैंकिंग में सुधार लाना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों की लापरवाही किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि कोई अधिकारी अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतता पाया गया तो उसके विरुद्ध शासन स्तर पर पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण न किए जाने के कारण 57 अधिकारियों का वेतन अवरुद्ध किए जाने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि कई विभागों में असंतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत अधिक है, जो शासन की मंशा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 जून 2026 तक संतुष्टि का प्रतिशत 90 प्रतिशत से अधिक करते हुए असंतुष्ट आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें तथा अपना स्पष्टीकरण जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें।उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रवेंद्र कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी दिनेश, समस्त उप जिलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पति, सास और ससुर को 7 वर्ष की सजा

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट नंबर एक दीप नारायण तिवारी ने प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर आत्महत्या करने के मामले में नामजद 4 आरोपियों में सुनवाई के बाद पति,सास और ससुर को दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद तीनों को सात-सात वर्ष की सजा के साथ ही कुल 6-6 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर एक -एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं अर्थदंड जमा हो जाने पर 15 हजार रुपए वादिनी मुकदमा को देने का आदेश दिया। एक आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोष मुक्त कर दिया। मामला कोतवाली घोसी क्षेत्र के कलाफनपुर गांव का है।

अभियोजन के अनुसार मधुबन थाना क्षेत्र के सिकडी कोल गांव निवासिनी उर्मिला देवी पत्नी रमेश चौहान की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। इसमें कोतवाली घोसी क्षेत्र के कलाफनपुर गांव निवासी नितेश चौहान पुत्र तूफानी चौहान, तूफानी चौहान पुत्र किशुन चौहान, सावित्री देवी पत्नी तूफानी चौहान और सुमन पत्नी शिवशंकर चौहान को नामजद किया। वादिनी का कथन था कि उसकी पुत्री आरती की शादी नितेश चौहान के साथ हुई थी। दहेज में चैन, कूलर व फ्रिज के लिए उसकी पुत्री आरती को आरोपीगण प्रताडित करते थे। आरोप है कि दहेज के लिए 13 दिसंबर 22 को आरती की हत्या कर दिए। मामले में पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए एडीजीसी फौजदारी राजेश कुमार पांडेय और अनिल कुमार पांडेय ने कुल 7 गवाहों को पेशकर अभियोजन का पक्ष रखा। बचाव पर एक गवाह को पेशकर तर्क दिया गया कि उन्हें झूठा फसाया गया है। एडीजे ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपीगण पति नितेश चौहान, ससुर तूफानी चौहान और सास सावित्री देवी को आत्महत्या के लिए उकसाने व प्रताडित करने के मामले में दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद तीनों को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सात-सात वर्ष की सजा के साथ ही 5-5 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। वहीं प्रताड़ना के मामले में 3-3 वर्ष की सजा के साथ ही 1-1 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर एक-एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अर्थदंड जमा हो जाने पर 15 हजार रुपए वादिनी मुकदमा उर्मिला देवी को देने का आदेश दिया।

सरकार के विरुद्ध उनकी गलत नीतियों भ्रष्टाचार की गंगोत्री पर प्रहार

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। समाजवादी पार्टी द्वारा शुक्रवार को सरकार के विरुद्ध उनकी गलत नीतियों भ्रष्टाचार की गंगोत्री पर प्रहार किया। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व पार्टी नेता विधायक के साथ जिलाधिकारी से मिलकर 10 अप्रैल 2026 को जारी मतदाता सूची में भारी विसंगतियों को लेकर एक प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें बड़े संख्या में एक ही नाम माता-पिता एक उम्र सहित अलग-अलग इपिक नंबर अनेकों बार सैकड़ो बूथ का पाया। जिसे लेकर जिलाधिकारी से वार्ता एवं डबल ट्रिपल बोगस नाम डिलीट करने की मांग की गई वही राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पुत्री पर अराजक तत्वों द्वारा गलत पोस्ट किए जाने को लेकर पुलिस अधीक्षक से तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग की। उसके उपरांत जिला पार्टी कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव ने उत्तर प्रदेश में नौकरी हेतु 22 परीक्षाओं में मिलाकर पीडीए समाज के लोगों का 11514 नौकरी के पद लूट लिया। जिसका विधिवत विवरण जिलाध्यक्ष ने जारी करके दिया जिसमें मुख्य रूप से शिक्षक भर्ती में 7933 वन जीव रक्षक भर्ती में 88 एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में पांच एडेड जूनियर हाई स्कूल हेडमास्टर 547 ग्राम पंचायत अधिकारी 232 नेट परीक्षण अधिकारी 47 यूपी एसएससी कनिष्ठ सहायक 300 प्रवर्तन कांस्टेबल भर्ती 34 लखीमपुर कोऑपरेटिव बैंक में भर्ती 8 यूपीएससी आशुलिपि 37 यूपीएससी कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती 434

लेखपाल भर्ती 960 पशु चिकित्सक भर्ती 81 स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती 55 चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद 54 का अधिकारी हो उपाय दो अमीन नीलामी करता 19 यूपीएससी लिपिक टैंकर जो यूपीएससी सहायक कोषागार लेखाकार भर्ती 58 यूपीएससी अधिशासी अधिकारी भर्ती 13 यूपीएससी सहायक चकबंदी अधिकारी भर्ती 10 यूपीएससी कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती 588 पढ़ा के पदों पर डाका डाला। जिससे समाज का बहुत बड़ा नुकसान की सरकार ने किया है और पीडीए के जो लोग कम पढ़े लिखे हैं या उनका राजनीतिक ज्ञान नहीं है वह सरकार द्वारा हिंदू मुस्लिम मंजिल मस्जिद में उलझ कर सरकार भाजपा का बनाकर अपना नुकसान कर दिए हैं । आज उनके संतान इस बात पर खीझ रही है कि यह सरकार अपने लोगों ने नहीं बनाया होता तो हम लोगों का हक पर डाका नहीं डाला गया होता। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री व विधायक राजेंद्र कुमार, राष्ट्रीय सचिव हाजी इरफान, प्रदेश सचिव ज़िला महासचिव कुद्दूस अंसारी।,महेंद्र चौहान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री।हरिद्वार राय पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव साधु, शिव प्रताप यादव मुन्ना, देवनाथ यादव ,जिला कोषाध्यक्ष, रामधनी चौहान,राजेश यादव,अप्पू मौर्य ,पंकज उपाध्याय जिला उपाध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष लालचंद यादव, सितारा यादव, नीलम भारती,रत्नेश भारती अफजल अलंकार, अमरेन्द्र बहादुर,आदि उपस्थित रहे।

चित्रकला कार्यशाला का हुआ समापन, बच्चों की प्रतिभा को मिली सराहना

कोपागंज (मऊ)। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश, संस्कार भारती मऊ कोपागंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का समापन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर किया।इसके बाद उन्होंने कार्यशाला में बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा के साथ जीवन पोषण का सशक्त साधन भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुनील सिंह कुशवाहा ने कहा कि कला संस्कृति की सहगामिनी है और समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुहेलदेव पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. संतोष पांडेय रहे। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी 105 बच्चों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य डॉ. प्रफुल्ल चंद, पूर्वी संसार के संपादक ओमप्रकाश गुप्त, संस्कार भारती के वरिष्ठ सदस्य प्रमोद राय, जिला महामंत्री प्रेम नारायण कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा, उपकोषाध्यक्ष राकेश जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष चंद्रमणि पांडेय सहित संजय गुप्ता, अनिल मौर्य, डॉ. अरुण मिश्रा, योगेंद्र मौर्य, दीपक वर्मा, सुदामा वर्मा, डॉ. अजय शर्मा, श्यामजी शाहनी, श्रवण विश्वकर्मा, सलोनी गुप्ता आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन विनोद बरनवाल ने किया।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष व राज्य सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर नगरपालिका ने चलाया पर्यावरण संरक्षण व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष व राज्य सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून 2026 तक संचालित हो रहे विशेष जनकल्याण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा क्षेत्र के सभी वार्डों व मलिन बस्तियों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण के लिये जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जन संपर्क एवं रैलियां आयोजित की जा रही हैं।

अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी ने बताया कि नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से आईपीसी (आईईसी) टीम द्वारा वार्ड नं0 5, 11, 12, 23, एवं 35 आदि में घर-घर जाकर आम लोगों को जागरूक किया। टीम द्वारा नागरिकों को कूड़ा पृथक्करण, चार डस्टबिन प्रणाली अपनाने, होम कम्पोस्टिंग सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्ड संख्या 12 में नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु डस्टबिन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही अपील की गयी कि वे गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग करके नगर पालिका के हवाले करें। अलग-अलग डस्टबिनों में एकत्रित कूड़े को निर्धारित समय पर नगर पालिका के हवाले करने के लिये भी उन्हें प्रेरित किया । अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी ने नगरवासियों से अपील करते हुये कहा कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में नगर को उत्कृष्ट स्थान दिलाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सत्य प्रकाश व राजीव कुमार, नगर पालिका की आई.ई.सी. टीम आदि लोग शामिल रहे।

बलिया में 14 जून को प्रवक्ता प्रारंभिक परीक्षा, 13 केंद्रों पर 5643 अभ्यर्थी होंगे शामिल

बलिया, 12 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा के शांतिपूर्ण और सफल संचालन के लिए बलिया जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि यह प्रारंभिक परीक्षा 14 जून को सुबह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। जनपद में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 5643 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए 13 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 13 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और सहायक केंद्र व्यवस्थापकों की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का सत्यापन सुनिश्चित करें। केंद्र व्यवस्थापकों को जनरेटर, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल और बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कर्मचारियों और पुलिस कांस्टेबलों की तैनाती समय पर करने को कहा गया। परीक्षा कक्षों में पंखों की व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जोर दिया कि परीक्षा की गोपनीयता, पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन करें। इसका उद्देश्य परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराना है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और सहायक केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खेलकूद पुलिस बल के जीवन का अभिन्न अंग-पुलिस अधीक्षक

पुलिस लाइन में अंतरजनपदीय वाराणसी जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र, वाराणसी के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के नेतृत्व में शुक्रवार को पुलिस लाइन में अंतरजनपदीय वाराणसी जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खेल भावना, आपसी समन्वय, शारीरिक दक्षता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है।

प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर एवं अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं उन्हें शुभकामनाएं देकर किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद पुलिस बल के जीवन का अभिन्न अंग है। खेलों के माध्यम से शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है, जो पुलिस कार्यों के निर्वहन में अत्यंत सहायक सिद्ध होता है।

इस प्रतियोगिता में वाराणसी जोन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जनपदों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में मऊ, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, चंदौली, भदोही,आजमगढ, सोनभद्र जनपदों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों द्वारा रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें खेल भावना, अनुशासन एवं टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

प्रतियोगिता के दौरान पुलिस लाइन परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा। उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विभिन्न टीमों के बीच हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन समन्वय, फुर्ती एवं खेल प्रतिभा का परिचय दिया, जिससे प्रतियोगिता अत्यंत रोमांचक एवं आकर्षक बन गई।

पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं पुलिस बल में आपसी सौहार्द एवं सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन मैच जनपद -चंदौली व जनपद -मिजार्पुर के मध्य खेला गया जनपद- मिजार्पुर ने जनपद- चंदौली को 25-07,25-07 से पराजित किया इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक, विभिन्न जनपदों से आए टीम प्रभारी, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रोजगार मेले का आयोजन 16 जून को

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 16 जून 26, समय प्रातः 10 बजे: स्थान, सेवायोजन कार्यालय के प्रांगण में रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी- रोशनी इण्टरप्राइजेज (सीआर०३ प्रा०लि० अहमदाबाद), उम्र 18 से 60 वर्ष कार्यस्थल जामनगर, दहेज भुज अहमदाबाद, शैक्षिक 8वीं, 10वीं पॉस (अशिक्षित व्यक्ति भी इस रोजगार मेले में प्रतिभाग कर रोजगार प्राप्त कर सकते है), वेतन- 17000-37000, पद-कारपेन्टर, बारबेन्डर, मेशन (राजमिस्त्री), हेल्फर, फिटर, रिगर, गैस कटर, वेल्डर, सुपरवाइजर, फोरमेन रिगर, इलेक्ट्रिशियन, इत्यादी पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी। मेले में प्रतिभाग करने वाले समस्त अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है, पंजीकृत अभ्यर्थियों का कैम्पस चयन रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से होगा।

नगरपालिका ने हनुमान नगर कालोनी से हटाया अतिक्रमण

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। इस अभियान में राजस्व निरीक्षक अमृता राय के नेतृत्व में हनुमान नगर कालोनी में नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाया गया।

यातायात के नियमों का पालन न करने पर 509 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं वाहन को सीज

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में शुक्रवार को समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत 33 टीम गठित कर जनपद के 40 स्थानों पर बदल बदलकर लगभग सदिग्ध वाहनो/व्यक्तियो को चेक किया। जिसमें यातायात के नियमों का पालन न करने पर 509 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं 01 वाहन को सीज किया। साथ ही साथ अन्य लोगों को हिदायत दी गयी तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया ।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें एवं गलत स्थानो पर पार्किंग नही करे तथा सुरक्षित यातायात में सहयोग प्रदान करें।

ई-समन मामलों के निस्तारण में लापरवाही पर एसपी सख्त, थानाध्यक्षों को जारी किया निर्देश

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक मऊ ने जनपद के विभिन्न थानों में लंबित पड़े ई-समन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थानाध्यक्षों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि 12 जून 2026 को ई-समन पोर्टल के दैनिक सांख्यिकीय चार्ट के अवलोकन में पाया गया कि कई थानों पर ई-समन के मामलों की संख्या काफी अधिक लंबित है, जिससे यह प्रतीत होता है कि इनके निस्तारण में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी पत्र के अनुसार सरायलखंसी एवं मधुबन थाने में 34-34, घोसी कोतवाली में 51 तथा मुहम्मदाबाद थाने में 25 ई-समन प्रकरण अनुपालन हेतु लंबित पाए गए हैं।एसपी ने संबंधित प्रभारी निरीक्षकों एवं थानाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे स्वयं विशेष रुचि लेकर लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा समयबद्ध कार्रवाई न करने वाले थाना प्रभारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित क्षेत्राधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे अपने निकट पर्यवेक्षण में लंबित ई-समन प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

दुष्कर्म व आत्महत्या के लिए प्रेरित करने मामले मे वांछित एक अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ, 12 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में अपराध/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रानीपुर एवं स्वाट/एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त टीम ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जमुई अंडरपास के पास मु0अ0सं0 072/2026, धारा 65(1), 123, भारतीय न्याय संहिता एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट में वांछित एक अभियुक्त राकेश पुत्र नेहरू उर्फ अजीत निवासीगण कमालपुर बभनपुरा थाना मुहम्दाबाद गोहना को गिरफ्तार किया। तफ्तीश और साक्ष्यों के आधार पर इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण) और 61(2) (आपराधिक साजिश) की बढ़ोतरी की गई है अभियुक्त राकेश पुत्र नेहरू उर्फ अजीत को नियमानुसार गिरफ्तार कर न्यायालय किया। प्रकाश में आये घटना में संलिप्त एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया।

संतों ने मूर्ति बरामदगी के लिए दिया ज्ञापन

बलिया, 12 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया के सूपापाली स्थित राम जानकी मंदिर से चोरी हुई मूर्तियों की बरामदगी को लेकर संतों ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को पत्रक सौंपा। संतों ने चेतावनी दी है कि यदि मूर्तियां बरामद नहीं हुईं, तो संत समाज आमरण अनशन करेगा। यह पत्रक कमलनयन दास कृष्णा जी की ओर से दिया गया है। संतों ने बताया कि मंदिर से लड्डूगोपाल, राधाकृष्ण की युगल मूर्ति और हनुमान जी की मूर्तियां चोरी हुई थीं। इस संबंध में पांच महीने पहले थाना नगरा में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में आठ चोरों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरफ्तारी के बावजूद आज तक मूर्तियां बरामद नहीं हो पाई हैं। संतों का आरोप है कि सभी अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर विवेचना समाप्त कर दी गई है और चार्जशीट न्यायालय में भेजी जा चुकी है। मूर्तियां बरामद न होने से पूजा-पाठ में बाधा आ रही है। संतों ने मांग की है कि थानाध्यक्ष नगरा और सीओ रसड़ा को तत्काल मूर्तियां बरामद करने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे पूरे संत समाज के साथ डीएम कार्यालय पर आमरण अनशन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी पुलिस और जिला प्रशासन की होगी।

सोनबरसा अस्पताल का सीएमओ ने औचक निरीक्षण किया

बलिया, 12 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. अभय नारायण राय ने शुक्रवार दोपहर बाद सोनबरसा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और संयुक्त राजकीय चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमओ ने विशेष रूप से साफ-सफाई पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने गर्मी से होने वाली बीमारियों से पीड़ित मरीजों के त्वरित और उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अस्पताल परिसर में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी आदेश दिए गए। इस अवसर पर निवर्तमान चिकित्साधिकारी आनंद कुमार सिंह, सीएचसी सोनबरसा के प्रभारी अधीक्षक डॉ. सुमन मिश्र, डॉ. दीपक कुमार सिंह, डॉ. जया पाठक, डॉ. सर्वजीत, डॉ. सौरभजित, डॉ. संजीव, डॉ. कृष्णदेव, डॉ. अपूर्वा सिंह और फार्मासिस्ट डॉ. निर्भय नारायण शुक्ला सहित कई अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।मुख्य चिकित्साधिकारी लगभग एक घंटे तक सोनबरसा के दोनों अस्पतालों में रहे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पूर्व मंत्री के भाई का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम-संस्कार

बलिया, 12 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के छोटे भाई लाल बचन चौधरी का गुरुवार को दिल्ली के मैक्स अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया था। शुक्रवार को सिकंदरपुर तहसील क्षेत्र के उनके पैतृक गांव गोसाईंपुर में पूरे राजकीय एवं सामाजिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुबह से ही उनके पैतृक आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

बारिश से पुलिसकर्मियों की परेड रद्द

बलिया, 12 जून (देवव्रत संवाद)। बलिया के रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार को साप्ताहिक परेड रद्द कर दिया गया। गुरुवार को हुई बारिश के कारण परेड ग्राउंड में पानी भर गया था और वह गीला रहा।परेड न होने के कारण पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के समक्ष पुलिस लाइन के आदेश कक्ष में ओआर (ऑफिसर रिव्यू) आयोजित किया गया। ओआर के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी कर्मचारियों ने अपने-अपने रजिस्टर प्रस्तुत किए, जिनका एसपी ने गहनता से अवलोकन किया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
हिन्दी दैनिक, आजमगढ़
शुक्रवार, 12 जून, 2026

सीएम योगी आज जनपद में करेंगे 955 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार 13 जून को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री पूर्वाह्न करीब 11.50 बजे हेलीकॉप्टर से विश्व विद्यालय परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। यहां वह सदर और मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 955 करोड़ 40 लाख रुपये लागत की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें विभिन्न विभागों की कुल 53 परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें 14 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 39 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। जानकारी के अनुसार लोकार्पण की जाने वाली 14 परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 70 करोड़ 35 लाख रुपये है, जबकि 39 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, जिनकी अनुमानित लागत 885 करोड़ 05 लाख रुपये है। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही यातायात

प्रबंधन और कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए यातायात पुलिस ने 13 जून को बड़े वाहनों के लिए अस्थायी रूट डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था सुबह आठ बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक प्रभावी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार मऊ और शाहगंज की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को छतवारा चौराहा से डायवर्ट कर नरौली चौराहा, जामुरी, चंदेश्वर चौराहा और पकड़ी होते हुए उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा। इसी प्रकार शहर की ओर से आने वाले बड़े वाहनों के लिए भी यही वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है।

गाजीपुर की ओर से आने वाले बड़े वाहन जामुरी चौराहा से डायवर्ट होकर नरौली चौराहा, पकड़ी और चंदेश्वर चौराहा होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जामुरी चौराहा से छतवारा चौराहा होते हुए महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय जाने वाले मार्ग पर बड़े वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि छोटे वाहनों, एंबुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इस डायवर्जन व्यवस्था से छूट दी गई है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

विमला हत्याकांड में पांच आरोपियों को मिली आजीवन कारावास की सजा

कोर्ट ने प्रत्येक आरोपी पर लगाया 50–50 हजार रुपये का अर्थदंड

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। आजमगढ़ में जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने शुक्रवार को दहेज हत्या के मामले में पांच आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इस अर्थदंड की 80 फीसदी राशि मृतका के पिता को दी जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, निजामुद्दीन पट्टी निवासी मदन लाल की बेटी विमला का प्रेम संबंध गांव के हरेंद्र से था। सरायमीर थाने में पंचायत हुई, जिसके बाद 22 फरवरी 2015 को हरेंद्र और विमला का विवाह संपन्न हुआ। हालांकि, हरेंद्र के परिवार ने इस विवाह को स्वीकार नहीं किया। वे विमला के मायके वालों से दहेज की मांग करने लगे। उन्होंने एक लाख रुपये और एक मोटर साइकिल की मांग की।

दहेज की मांग पूरी न होने पर 14 मई 2017 को पति हरेंद्र, जेठ कलेन्द्र, देवर राजेंद्र, ससुर भोपल और सास दुर्गावती की। उन्होंने कुल नौ गवाहों को न्यायालय ने विमला को बुरी तरह पीटा। सूचना मिलने पर विमला के पिता ने उसे पहले संजरपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अगले दिन 15 मई को उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 25 मई 2017 को विमला की मृत्यु हो गई। पुलिस ने जांच पूरी कर सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता और सहायक शासकीय अधिवक्ता ने पैरवी में परीक्षित कराया। दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाया। अदालत ने हरेंद्र, राजेंद्र, कलेन्द्र, भोपल और दुर्गावती को दोषी ठहराया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने पांचों दोषियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी पर पचास हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। इस अर्थदंड की अस्सी फीसदी राशि मृतका के पिता मदन लाल को दी जाएगी।

सरकारी विभागों पर 20 करोड़ से अधिक बिजली बिल बकाया

उपभोक्ताओं पर 150 करोड़ रुपये का भार

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। जिले में सरकारी विभागों पर 20 करोड़ रुपये से अधिक तथा उपभोक्ताओं पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा बिजली बिल बकाया है। बकाया वसूली और बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत निगम ने अभियान तेज कर दिया है।

शुक्रवार को अधिशासी अभियंता राजकुमार सिंह ने अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि राजस्व वसूली अभियान और ऑपरेशन जीरो थेफ्ट के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। बकाया राशि जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं। प्रतिदिन लगभग 300 से 400 कनेक्शन विच्छेदित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी के मामलों में अब तक 72 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। निगम का उद्देश्य क्षेत्र को बिजली चोरी से मुक्त बनाना है ताकि ईमानदार उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अधिशासी अभियंता ने कहा कि ओवरलोडिंग और कटिया कनेक्शनों के कारण ट्रांसफॉर्मरों एवं विद्युत प्रणाली पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ने से फॉल्ट की घटनाएं भी अधिक हो रही हैं। स्थिति में सुधार के लिए अब तक 200 से अधिक ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाई जा चुकी है, लेकिन बिना अनुमति लोड बढ़ाने और अवैध कनेक्शनों के कारण समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया वसूली और बिजली चोरी के विरुद्ध चल रहे दोनों अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान शुरू

161 वर्ग किमी जंगल बचाने की मांग, राष्ट्रपति को भेजा जायेगा हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित परियोजना के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी ने व्यापक हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर ग्रेट निकोबार द्वीप समूह को एक उद्योगपति के हित में सौंपने का आरोप लगाते हुए परियोजना को पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के लिए खतरा बताया। शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आवास विकास तिराहा हारा की चुंगी पर अभियान का शुभारंभ किया गया। शहर अध्यक्ष काजी रियाजुल हसन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में लोगों से हस्ताक्षर कर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने की अपील की गई। काजी रियाजुल हसन ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप देश की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित योजना के तहत 161 वर्ग किलोमीटर घने जंगलों को उजाड़ने की तैयारी की जा रही है, जिसे हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से एकत्र किए गए हस्ताक्षरों को राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार को बचाने के साथ–साथ कथित कॉरपोरेट लूट को रोकना भी आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोगों को मिलकर प्रकृति और वन संपदा की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मोहम्मद नजम शमीम, मोहम्मद आमिर, जावेद खान, बालचंद राम, मंत्र राज यादव, कैप्टन अशोक वर्मा, गोविंद शर्मा, सोनू प्रजापति, बृजेश पांडेय, फैज पठान, आरती महसर बेग, फहीम खान, नदीम अहमद, नसीम अहमद, बिलाल आजमी, पंकज शर्मा, दानिश अहमद, रानू, राजा भाई सीकड़ी, राधे राम, राजू, जावेद अहमद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

निजामाबाद में गुरुद्वारा भूमि विवाद पर बढ़ा तनाव

पुलिस ने रुकवाया निर्माण कार्य

निजामाबाद, 12 जून (देवव्रत संवाद)। निजामाबाद कस्बे के ऐतिहासिक गुरुद्वारा की भूमि को लेकर शुक्रवार को विवाद गहरा गया। विवादित भूमि पर निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना मिलते ही सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल निर्माण कार्य रुकवाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

जानकारी के अनुसार कस्बा निवासी अफजल और असलम पुत्र कमरूद्दीन द्वारा विवादित भूमि पर निर्माण कराया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सिख समुदाय के लोग मौके पर एकत्र हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही गुरुद्वारा के जत्थेदार बाबा सतनाम सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। जत्थेदार बाबा सतनाम सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ लोग कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर गुरुद्वारा की भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भूमि विवाद का मामला वर्तमान में कमिश्नर न्यायालय में विचाराधीन है तथा इसकी अगली सुनवाई 18 जून को निर्धारित है। ऐसे में न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद निर्माण कार्य कराया जाना उचित नहीं है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निजामाबाद राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों से वार्ता कर निर्माण कार्य तत्काल बंद कराया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग की जांच और न्यायालय के अंतिम निर्णय तक विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांति बनाए रखने की हिदायत देते हुए चेतावनी दी कि कानून–व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की तत्परता से मामला शांत हो गया और दोनों पक्षों के लोग अपने–अपने घर लौट गए। हालांकि भूमि विवाद को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है और अब लोगों की निगाहें 18 जून को कमिश्नर न्यायालय में होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं।

प्रभारी मंत्री आज मुहब्बतपुर में लगाएंगे चौपाल

सठियांव 12 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग के कैबिनेट मंत्री एवं आजमगढ़ जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर शनिवार को मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुहब्बतपुर स्थित आदर्श अमृत सरोवर पर आयोजित चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री शाम छह बजे चौपाल लगाकर क्षेत्रीय लोगों से सीधे संवाद करेंगे तथा उनकी शिकायतों और सुझावों को सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देंगे। प्रभारी मंत्री के आगमन एवं चौपाल कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्थल का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर साफ–सफाई पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी इंतजामों का बारीकी से निरीक्षण किया। खंड

विकास अधिकारी हरिमोहन सिंह, एपीओ निर्भय राय तथा ग्राम पंचायत अधिकारी धनंजय राय ने अमृत सरोवर परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कार्यक्रम से पूर्व सभी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जानकारी के अनुसार प्रभारी मंत्री चौपाल कार्यक्रम के बाद अमृत सरोवर मुहब्बतपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगे। उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है।

किसानों को नि:शुल्क बीज वितरित

सठियांव, 12 जून (देवव्रत संवाद)। विकास खंड सठियांव क्षेत्र रघुनाथपुर स्थित किसान कल्याण केंद्र मल्टीपरपज सीड स्टोर एवं टेक्नोलॉजी डिसेमिनेशन सेंटर पर शुक्रवार को ऑयल सीड्स योजनान्तर्गत मूंगफली प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत किसानों को नि:शुल्क बीज वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को तिलहनी फसलों की उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करना तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रति जागरूक करना रहा। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) धीरज गुप्ता ने किसानों को मूंगफली की वैज्ञानिक एवं उन्नत खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान रुदल यादव, जयहिंद मौर्य, सुदामा मौर्य, अनिरुद्ध सिंह, समशेर सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, धनई यादव सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे।

सबा हॉस्पिटल मुबारकपुर में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. ए. अल्वी की सेवाएं शुरू

मुबारकपुर, 12 जून (देवव्रत संवाद)। क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में मुबारकपुर स्थित सबा हॉस्पिटल में प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. ए. अल्वी (एमबीबीएस, एमडी) ने अपनी सेवाएं प्रारंभ कर दी हैं। इससे पहले वे डॉ. शमीम डायग्नोस्टिक सेंटर पर भी मरीजों को परामर्श देते रहे हैं। अब वे प्रतिदिन सबा हॉस्पिटल में बच्चों के मरीजों का परीक्षण एवं उपचार करेंगे। इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. शमीम अहमद ने बताया कि मुबारकपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञ की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को देखते हुए अस्पताल परिवार में डॉ. एम.

ए. अल्वी को शामिल किया गया है, ताकि बच्चों को स्थानीय स्तर पर बेहतर एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि अस्पताल में बच्चों को भर्ती करने की समुचित व्यवस्था के साथ–साथ एनआईसीयू की आधुनिक सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 24 घंटे आपातकालीन एवं स्वास्थ्य सेवाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे गंभीर स्थिति में बच्चों का तत्काल उपचार संभव हो सकेगा।

संभावित बाढ़ आपदा से निपटने को पीएसी व एसडीआरएफ ने किया तैयारियों का परीक्षण

मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है–डीजी पीएसी आलोक सिंह

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। मानसून के दौरान संभावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रदेशभर में पीएसी और एसडीआरएफ की तैयारियों का परीक्षण किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) के दिशा–निर्देशों के तहत गुरुवार को 44 संवेदनशील जनपदों की 118 तहसीलों में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा मॉक एक्सरसाइज–2026 का सफल आयोजन किया गया। पुलिस महानिदेशक पीएसी आलोक सिंह के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास में पीएसी की 17 वाहिनियों से सात कंपनी और एक प्लाटून के साथ एसडीआरएफ की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों में लगे कार्मिकों की दक्षता, उपकरणों की कार्यशीलता तथा आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का आकलन करना था। अभ्यास के दौरान प्रशिक्षित जवानों ने नाव संचालन, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने, लाइफ जैकेट और अन्य जीवनरक्षक उपकरणों के उपयोग, रस्सियों के माध्यम से रेस्क्यू ऑपरेशन तथा प्राथमिक उपचार जैसी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। साथ ही राहत एवं बचाव कार्यों में प्रयुक्त आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की भी जांच की गई। मॉक एक्सरसाइज में जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन सेवा, एनडीआरएफ, स्वयंसेवी संस्थाओं और अन्य संबंधित विभागों ने भी भाग लिया। इस दौरान विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और आपदा प्रबंधन की संयुक्त कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया गया। डीजी पीएसी आलोक सिंह ने निर्देश दिए हैं कि बाढ़ राहत दलों और एसडीआरएफ टीमों की नियमित ब्रीफिंग की जाए तथा उपकरणों का समय–समय पर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों की उपलब्धता बनाए रखी जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान पीएसी और एसडीआरएफ हमेशा जनसेवा के लिए तत्पर रही हैं और प्रदेशवासियों की सुरक्षा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने को तैयार हैं।

दी टैक्स बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। दी टैक्स बार एसोसिएशन आजमगढ़ द्वारा शुक्रवार को होटल मानसरोवर, मड़या (ठंडी सड़क रोड) स्थित सभागार में सत्र 2026–27 के लिए चयनित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एवं संघ के दिवंगत वरिष्ठ सदस्य स्वर्गीय एखलाक अहमद के चित्र का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि रमेश प्रसाद जायसवाल ने संघ के अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, मंत्री उमेश कुमार यादव तथा कोषाध्यक्ष रमेश कुमार यादव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने अधिवक्ताओं के हित में शासन एवं बार काउंसिल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। विशिष्ट अतिथि प्रभुदेव राय ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज तिवारी, उपाध्यक्ष सूर्यभान पाल, सहमंत्री (जीएसटी) अभिषेक कुमार गुप्ता, सहमंत्री (आयकर) अनिल कुमार सिंह, पुस्तकालय अध्यक्ष विवेक कुमार गुप्ता तथा मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार गुप्ता को शपथ दिलाई। उन्होंने अधिवक्ता हितों के संरक्षण के लिए निरंतर सजग रहने का आह्वान किया।

लेखपाल पर धनउगाही और पक्षपात का आरोप

ग्रामीणों ने डीएम से किया कार्रवाई की मांग

आजमगढ़, 12 जून (देवव्रत संवाद)। निजामाबाद तहसील क्षेत्र के ग्रामसभा गौरा में भूमि विवाद और पैमाइश को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गांव की महिलाओं समेत कई ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर हल्का लेखपाल पर पक्षपात, धनउगाही और कार्यों में लापरवाही के आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्हें ग्रामसभा से हटाकर दूसरे लेखपाल की तैनाती की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गाटा संख्या 100 और 101 की भूमिधरी भूमि तथा सहन आबादी की जमीन पर कुछ दबंगों को कब्जा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उनके पति रोजी–रोटी के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जिसका फायदा उठाकर कुछ लोग कथित रूप से लेखपाल की मिलीभगत से दबाव बना रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो गांव में शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। वहीं ग्राम गौरा निवासी संतकुमार उर्फ मोती उर्फ छोटेलाल ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गाटा संख्या 91क और 91ख की भूमि के विवाद को लेकर उन्होंने 16 मई 2026 को शिकायत की थी। उनके अनुसार 31 मई को कानूनगो ने मौके पर पहुंचकर पैमाइश की थी और सभी पक्ष उस पैमाइश से संतुष्ट थे, लेकिन अब तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। उनका कहना है कि रिपोर्ट लंबित रहने से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। एक अन्य शिकायत में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लेखपाल राजस्व संबंधी कार्यों और पैमाइश में मनमानी करते हैं तथा बिना धन लिए कार्य नहीं करते। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में उपजिलाधिकारी के आदेश पर नायब तहसीलदार द्वारा जांच भी कराई गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लंबित रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत कराने तथा गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। साथ ही हल्का लेखपाल को ग्रामसभा गौरा से हटाकर किसी अन्य लेखपाल की तैनाती किए जाने की मांग भी की है।